website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 346 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 22 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अफ्रीका में जी20 सम्मेलन का आयोजन भारत के लिए गर्व की बात- पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार सुबह दक्षिण अफ्रीका के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना हो गए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर रवाना होने से ठीक पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका के संबंधों को याद करते हुए कहा कि भारत की 2023 की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को संगठन का स्थायी सदस्य बनाया गया था। अब अफ्रीका महाद्वीप में आयोजित होने वाला यह पहला जी20 सम्मेलन भारत के लिए गर्व की बात है।

राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के निमंत्रण पर जोहान्सबर्ग में जी20 लीडर्स समिट में हिस्सा लेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के निमंत्रण पर 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग में आयोजित 20वें जी20 लीडर्स समिट में हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी-20 शिखर सम्मेलन होगा।

जी20 शिखर सम्मेलन की इस वर्ष का थीम 'समानता, एकजुटता और स्थिरता'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष का थीम 'समानता, एकजुटता और स्थिरता' है। इसके माध्यम से दक्षिण अफ्रीका, नई दिल्ली और रियो डी जनेरियो में आयोजित पिछले जी-20 सम्मेलनों के निष्कर्षों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने सम्मेलन में भारत के विजन को बताते हुए कहा कि मैं सम्मेलन में भारत का नजरिया 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप रखूंगा। यह दृष्टिकोण वैश्विक सहयोग, समानता और टिकाऊ विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वैश्विक शांति जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद

इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री जी-20 के अलावा आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) के छठे शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे और अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन बैठकों में आर्थिक सहयोग, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शांति जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

भारतीय समुदाय से भी संवाद करेंगे पीएम मोदी

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी संवाद करेंगे। यह समुदाय भारत के बाहर सबसे बड़ा प्रवासी समुदायों में से एक है। प्रधानमंत्री इस अवसर पर प्रवासी समुदाय के अनुभव और योगदान को समझेंगे और उनकी समस्याओं व उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे।

पाकिस्तान के फैसलाबाद में गैस लीक से फैक्ट्री में भीषण धमाका, सात घर ध्वस्त, 15 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के फैसलाबाद में मलिकपुर इलाके के पास शुक्रवार सुबह एक फैक्ट्री में गैस लीक होने से बड़ा धमाका हो गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। धमाके के बाद फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा और आसपास की कई इमारतें जमींदोज हो गईं। रेस्क्यू टीमों ने बताया कि धमाका गैस लीक होने की वजह से हुआ। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक शुरुआत में माना गया था कि फैक्ट्री का बॉयलर फटा है, लेकिन फैसलाबाद कमिश्नर ऑफिस की ओर से जारी बयान में स्पष्ट किया गया कि फैक्ट्री में कोई बॉयलर था ही नहीं। गैस लीक से पहले एक फैक्ट्री में आग लगी, जिसने इलाके की तीन अन्य फैक्ट्रियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में आसपास के सात घर गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। कमिश्नर ऑफिस के अनुसार मलबे से अब तक 15 शव निकाले जा चुके हैं। रेस्क्यू कर्मियों ने 10 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम गठित की गई है। घटना सुबह करीब 5:28 बजे फैसलाबाद कंट्रोल रूम को मिली कॉल से शुरू हुई, जिसमें ग्लू फैक्ट्री में धमाका होने की सूचना दी गई थी। इसके बाद मौके पर तुरंत 20 से ज्यादा एम्बुलेंस और फायर टेंडर भेजे गए और बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। इस बीच द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में बताया गया कि इससे पहले 10 नवंबर को पंजाब के हरबंसपुरा क्षेत्र में भी एक घर में गैस धमाके से तीन लोगों की मौत और सात घायल हुए थे। नादिर मार्केट वाले इस हादसे के बाद रेस्क्यू अधिकारियों ने तत्काल इमरजेंसी रिस्पॉन्स शुरू करने की बात कही थी। फैसलाबाद का यह ताजा हादसा पाकिस्तान में गैस लीक से जुड़े खतरों और सुरक्षा मानकों की गंभीर कमी की एक और भयावह मिसाल बनकर सामने आया है।

फातिमा बॉश बनीं मिस यूनिवर्स 2025, 130 देशों के प्रतिनिधियों को पछाड़कर हासिल की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिस यूनिवर्स का खिताब पाना हर किसी का सपना होता है और इस बार साल 2025 में 130 देशों की प्रतियोगिओं को पीछे छोड़कर मैक्सिको की फातिमा बॉश के सिर मिस यूनिवर्स का ताज सजा है। विवादों में रहने के बाद भी 25 साल की फातिमा बॉश को खिताब मिला। उन्हें मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्साराग्रिसिल ने बीच शो में तीखी डांट लगाई थी और शो के बाकी कंटेस्टेंट ने भी विरोध किया था, लेकिन विरोध के बीच भी फातिमा बॉश ने इतिहास रच दिया। 74वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के फाइनल में सभी देशों की अलग-अलग ब्यूटी क्वीन्स गाउन पहनकर स्टेज पर आई। प्रतियोगिता में फर्स्ट रनरअप थाईलैंड की प्रवीणर सिंह, सेकेंड रनरअप मिस वेनेजुएला और थर्ड रनरअप मिस फिलीपींस रहीं। भारत से राजस्थान की मनिका विश्वकर्मा भी प्रतियोगिता का हिस्सा रहीं लेकिन वे टॉप 12 तक भी अपनी जगह नहीं बना पाईं। वे प्रतियोगिता के 30वें राउंड तक ही पहुंच पाईं। टॉप 12 में ग्वाडेलोप, मेक्सिको, प्यूर्टो रिको, चिली, कोलंबिया, क्यूबा, कोट डी आइवर, वेनेजुएला, चीन, फिलीपींस, थाईलैंड और माल्टा की सुंदरियों ने अपना दबदबा बनाया। मैक्सिको की फातिमा बॉश प्रतियोगिता की शुरुआत से ही विवादों में रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्साराग्रिसिल ने उन्हें भरे मंच पर तीखे सवाल किए और उनकी बुद्धिमता पर भी सवाल उठाए थे। हालांकि, फातिमा बॉश ने इन बातों का विरोध करते हुए मंच से वॉकआउट किया था। मंच पर मौजूद बाकी प्रतिभागियों ने भी फातिमा बॉश का सपोर्ट करते हुए मंच छोड़ दिया था। हालांकि, शो के फाइनल में अपनी खूबसूरती और बुद्धिमत्ता से शो में जीत हासिल की। इस साल की प्रतियोगिता में अलग-अलग इंटरेस्टिंग राउंड रखे, जिसमें इंटरव्यू राउंड, स्विमसूट सेगमेंट राउंड, और इवनिंग गाउन राउंड शामिल थे। इन सभी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जूरी ने टॉप फाइव के लिए थाईलैंड, फिलीपींस वेनेजुएला, मेक्सिको और कोट द'ईवोआर की खूबसूरत प्रतिभागियों को चुना और आखिरी में अपनी ग्रेस और बुद्धिमता से फातिमा बॉश ने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले मिस यूनिवर्स 2024 का खिताब विक्टोरिया केजर थेलविग के सिर सजा था, जोकि डेनमार्क को री-प्रेजेंट कर रही थीं।

आर्थिक साइबर अपराधों के तीन बड़े कारण—लालच, भय और लापरवाही - राजीव कृष्णा

यूपी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने गुरुवार को कासगंज में आयोजित परिक्षेत्र स्तरीय साइबर जागरूकता कार्यशाला का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिला प्रशासन के सदस्य, शिक्षक-छात्र, व्यापारी, बैंक और सर्राफा संगठनों के प्रतिनिधि सहित विभिन्न जिलों के साइबर सेल अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षा उपायों को जनता तक पहुँचाना था। डीजीपी राजीव कृष्णा ने अपने संबोधन में कहा कि आर्थिक साइबर अपराधों के पीछे तीन प्रमुख कारण—लालच, भय और लापरवाही—सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समझाया कि धोखेबाज इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर लोगों को विभिन्न तरीकों से ठगते हैं। खासतौर पर डिजिटल युग में, जहाँ हर व्यक्ति मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर रहा है, साइबर अपराधियों के लिए अवसर और भी बढ़ गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल जीवन शैली ने समाज में बड़ा परिवर्तन लाया है। डिजिटल भुगतान, सोशल मीडिया और ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग अब आम जीवन का हिस्सा बन चुका है। भारत आज प्रति व्यक्ति डिजिटल वित्तीय लेन-देन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। कोविड-19 के बाद ई-कॉमर्स में 60 से 70 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों में भी तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है। इसलिए इंटरनेट का जिम्मेदारी से उपयोग करना बेहद आवश्यक हो गया है। डीजीपी ने समाज के विभिन्न वर्गों पर साइबर अपराधों के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चे साइबर बुलिंग, महिलाएं स्टॉकिंग, और बुजुर्ग डिजिटल अरेस्ट जैसे नए प्रकार की ठगी का शिकार हो रहे हैं। विशेषकर एपीके (APK) फाइलों पर क्लिक करना अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि इससे पूरा फोन हैक हो सकता है और व्यक्तिगत जानकारी अपराधियों के हाथ लग जाती है। उन्होंने नागरिकों को साइबर अपराध से बचाने के लिए तीन महत्वपूर्ण उपाय बताए—ठगी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें, गोल्डन टाइम फ्रेम यानी 30 मिनट के भीतर रिपोर्ट करें, और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग व सोशल मीडिया की लत से दूर रहने की सलाह दी, वहीं अभिभावकों से बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने की अपील की। पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराध की जांच एसओपी आधारित और सरल है, इसलिए थाना स्तर पर भी पेशेवर जांच संभव है। उन्होंने कहा कि मजबूत पासवर्ड, अपडेटेड सॉफ्टवेयर और सतर्कता ही साइबर सुरक्षा की बुनियादी आधारशिला हैं। अपने संदेश के अंत में उन्होंने कहा, "सुरक्षित डिजिटल उत्तर प्रदेश तभी संभव है जब जनता और पुलिस मिलकर काम करें। साइबर क्राइम जितनी तेजी से बढ़ता है, उतनी ही तेजी से रोक भी दिया जा सकता है, बशर्ते जागरूकता बढ़ाई जाए।"

दुबई एयरशो में बड़ा हादसा:
डेमोंस्ट्रेशन के दौरान फाइटर जेट क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली। दुबई में आयोजित दुबई एयरशो डिस्प्ले के दौरान शुक्रवार को एक बड़ा विमान दुर्घटना सामने आई, जिसमें भारत का तेजस फाइटर जेट क्रैश हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना दोपहर 2:10 बजे डेमोंस्ट्रेशन फ्लाइट के दौरान हुई। हादसे में तेजस के पायलट की मौत की पुष्टि हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब बड़ी संख्या में लोग डेमोंस्ट्रेशन देखने के लिए मौजूद थे।

हादसा होते ही एयरपोर्ट परिसर में काले धुएं का बड़ा गुबार देखने को मिला, जिसके बाद इमरजेंसी टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर भीड़ को वहां से हटाया और स्थिति को संभालने की कोशिश की। भीड़ में बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग भी मौजूद थे, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया।

इस बीच, एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें तेजस Mk1 में तेल लीकेज का दावा किया गया था। हालांकि PIB फैक्ट चेक ने इस वीडियो को फर्जी बताते हुए कहा कि यह तेल नहीं बल्कि कंडेंस्ड पानी था, जिसे नियमित रूप से aircraft के ECS (Environmental Control System) और OBOGS (On-board Oxygen Generating System) से निकाला जाता है, खासकर दुबई जैसी नमी वाली जगहों पर यह सामान्य प्रक्रिया है।

फिलहाल, इंडियन एयरफोर्स की टीम पायलट की स्थिति, हादसे के कारणों और अन्य तथ्यों की जानकारी जुटा रही है। दुबई एयरशो में हुए इस हादसे ने सभी को स्तब्ध कर दिया है और सुरक्षा मानकों को लेकर भी कई सवाल खड़े किए हैं।

भारत-इजरायल एफटीए पर औपचारिक बातचीत शुरू, दोनों देशों ने साइन किए टर्म्स ऑफ रेफरेंस

नई दिल्ली । भारत और इजरायल के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को लेकर औपचारिक बातचीत की शुरुआत हो गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत का उद्देश्य आपसी व्यापार को बढ़ावा देना, अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और रणनीतिक सहयोग को नई दिशा देना है। तेल अवीव में गोयल और इजरायल के इकोनॉमी एवं इंडस्ट्री मंत्री निर बरकत ने एफटीए वार्ता को दिशा देने वाले टर्म ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता का औपचारिक ढांचा तैयार हो गया है। गोयल ने इसे दोनों देशों के लिए एक "संतुलित और आपसी मुनाफे वाले एफटीए" की दिशा में पहला और अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठाकर अपने आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका कहना था कि एफटीए न केवल व्यापार बढ़ाएगा, बल्कि दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूती देगा। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और इजरायल का साझा लक्ष्य आपसी व्यापार में विविधता लाना और नए सहयोग क्षेत्रों की पहचान करना है। दोनों देश कृषि, जल प्रबंधन, स्वास्थ्य, रक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्वच्छ ऊर्जा, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और हाई-टेक नवाचार जैसे क्षेत्रों में तालमेल बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच एफटीए के जरिए एक बड़ा और मजबूत बाजार तैयार होगा, जो आर्थिक अवसरों को बढ़ाने में सहायक होगा। दौरे के दौरान पीयूष गोयल और निर बरकत ने इंडिया-इजरायल सीईओ फोरम को भी संबोधित किया, जिसमें दोनों देशों की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे। इस फोरम में एफटीए से जुड़े संभावित सहयोग क्षेत्रों और व्यापारिक अवसरों पर व्यापक चर्चा की गई। गोयल ने कहा कि दोनों देश आपसी फायदे वाले परिणाम सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इजरायल में आयोजित एक विशेष गाला कार्यक्रम में भी केंद्रीय मंत्री ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में दोनों देशों के प्रमुख व्यापार संगठनों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने BSF के 61वें स्थापना दिवस पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुजरात के हरिपुर भुज स्थित 176वीं बटालियन कैंप में सीमा सुरक्षा बल (BSF) के 61वें स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा में शहीद हुए BSF जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि BSF की स्थापना 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई थी। शुरुआत में 25 बटालियन के साथ शुरू हुए इस बल का विस्तार समय के साथ बढ़ते राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के मुताबिक किया गया। आज BSF के पास 193 बटालियन (जिनमें 3 NDRF बटालियन भी शामिल हैं) और 7 BSF आर्टिलरी रेजिमेंट हैं, जो पाकिस्तान और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा करती हैं। BSF न केवल सीमा की सुरक्षा करती है, बल्कि जम्मू-कश्मीर में एंटी-इंफिल्ट्रेशन, पूर्वोत्तर राज्यों में काउंटर-इंसर्जेंसी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में एंटी-नक्सल ऑपरेशन, और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एकीकृत चेक पोस्ट की सुरक्षा भी संभालती है। अमित शाह ने अपने संबोधन में बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जम्मू फ्रंटियर के BSF जवानों ने 118 से अधिक पाकिस्तानी पोस्टों को नष्ट या क्षतिग्रस्त किया, जिससे पाकिस्तान की निगरानी प्रणाली लगभग ध्वस्त हो गई। उन्होंने कहा कि शांति काल में भी BSF लगातार सतर्क रहते हुए सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर पाकिस्तान के पोस्टों पर कड़ी कार्रवाई करती है। उन्होंने यह भी बताया कि BSF दुनिया की सबसे बड़ी सीमा सुरक्षा बल है, जिसमें 2.7 लाख से अधिक कर्मी कार्यरत हैं, और पिछले छह दशकों से यह बल देश की सीमाओं की मजबूती से रक्षा कर रहा है। गृह मंत्री ने बताया कि 2024 तक कुल 1,992 BSF जवान देश के लिए शहीद हो चुके हैं। साथ ही 1,330 जवानों को विभिन्न वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें 1 महावीर चक्र, 6 कीर्ति चक्र, 13 वीर चक्र, 13 शौर्य चक्र, 56 सेना मेडल और 1,241 पुलिस मेडल शामिल हैं।

भारत-अमेरिका ने समुद्री सहयोग को दी नई गति
-एडमिरल त्रिपाठी का वॉशिंगटन दौरा सफलतापूर्वक सम्पन्न

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने संयुक्त राज्य अमेरिका का आधिकारिक दौरा पूरा किया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच नौसैनिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाना तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझा रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाना था। इस दौरे के दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने अमेरिकी सरकार और सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण मुलाकातें कीं। एडमिरल त्रिपाठी ने अपनी यात्रा में अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन सी. फेलन, युद्ध उप सचिव एल्ब्रिज कोल्बी, इंडोपैकॉम कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पापारो, यूएस पैसिफिक फ्लीट कमांडर एडमिरल स्टीफन पी. कोहलर और यूएस मरीन फोर्सेस पैसिफिक कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेम्स एफ. ग्लिन से मुलाकात की। इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने, डोमेन अवेयरनेस बढ़ाने, समुद्री संचालन में गहन सहयोग तथा सूचना साझा करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों देशों ने समुद्री परिवहन मार्गों और समुद्र के भीतर मौजूद महत्वपूर्ण ढांचों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। इसके साथ ही आपदा राहत, खोज एवं बचाव अभियान, समुद्री डकैती से निपटने और अन्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन सी. फेलन ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इन बैठकों का उद्देश्य रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को खुला और स्थिर बनाए रखना था। इस दौरान MALABAR, PASSEX, CMF और MILAN जैसे द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने मानवरहित प्रणालियों, खुफिया-सर्विलांस-रेकॉनसेंस (ISR), साइबर ऑपरेशन और अंतरिक्ष-सक्षम समुद्री क्षमताओं जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। हवाई में एडमिरल त्रिपाठी ने सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन डिजास्टर मैनेजमेंट एंड ह्यूमेनिटेरियन असिस्टेंस का दौरा किया, जहां उन्होंने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आपदा प्रतिक्रिया और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। वॉशिंगटन स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में एडमिरल त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के अध्यक्ष वाइस एडमिरल पीटर ए. गार्विन से मुलाकात की। यहां पेशेवर सैन्य शिक्षा, उच्च शिक्षा सहयोग और प्रशिक्षण आदान-प्रदान के मौजूदा ढांचे की समीक्षा की गई। इसके अलावा उन्होंने आइजनहावर स्कूल, नेशनल वॉर कॉलेज और कॉलेज ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड साइबरस्पेस में पढ़ रहे भारतीय अधिकारियों से भी मुलाकात की और उनके अनुभवों एवं प्रशिक्षण पर चर्चा की। एडमिरल त्रिपाठी का यह दौरा भारत-अमेरिका की बढ़ती नौसैनिक साझेदारी को नई दिशा और मजबूती प्रदान करने वाला साबित हुआ।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

लाल आतंक पर निर्णायक वार: नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ते मजबूत कदम

आंध्र प्रदेश में सुरक्षा बलों द्वारा देश के सबसे खूंखार नक्सलियों में शामिल माड़वी हिड़मा और मेट्टुरी जोगा राव उर्फ टेक शंकर का अंत केवल एक ऑपरेशन की सफलता नहीं है, बल्कि यह उस लंबे दौर के खत्म होने की शुरुआत है जिसने दशकों तक कई राज्यों में खौफ़, खून-खराबा और विकास में रुकावट पैदा की। हिड़मा और टेक शंकर नक्सलियों की हिंसक रणनीति, पुलिस-सुरक्षाबलों पर घात लगाकर किए जाने वाले हमलों और ग्रामीण इलाकों में विकास परियोजनाओं को बाधित करने के प्रतीक बन चुके थे। उनका खात्मा लोकतांत्रिक ढांचे और जनता के मूल अधिकारों को चुनौती देने वाली उस पूरी व्यवस्था पर एक बड़ा प्रहार है, जो बंदूक के ज़रिये शासन चलाने का सपना देख रही थी। एक समय था जब नक्सलवाद देश के 182 जिलों में सक्रिय था। गांव-गांव में रेड अलर्ट रहता था, सड़कें बनना मुश्किल, बिजली पहुंचना नामुमकिन और सरकारी योजनाएँ कागज़ों से बाहर ही नहीं निकल पाती थीं। मगर आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। सरकार के आँकड़ों के मुताबिक नक्सलवाद अब कुछ चुनिंदा जिलों तक सिमट गया है। यह बदलाव महज़ आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों की लगातार, सुनियोजित और बहुआयामी रणनीति का परिणाम है। सुरक्षा बलों ने बड़ी चुनौतियों के बीच लगातार अभियान चलाए, तकनीक का बेहतर इस्तेमाल किया और जंगलों में नक्सली ठिकानों पर सटीक कार्रवाई की। दूसरी तरफ स्थानीय समुदायों को विश्वास में लिया गया, ताकि वे नक्सलियों के प्रोपेगेंडा और ज़बरदस्ती की राजनीति से बाहर निकलें। यही वजह है कि बड़ी संख्या में नक्सली हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उनका आत्मसमर्पण बताता है कि बंदूक का रास्ता अब उनके लिए टिकाऊ नहीं रहा। हिंसा से किसी का भला नहीं होता, और यह बात अब नक्सली कैडर तक भी पहुँचने लगी है। सरकार ने नक्सलवाद के पूरी तरह खात्मे की समय-सीमा तय कर दी है और उसी दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि ऐसी लड़ाई केवल बंदूक से नहीं जीती जाती। नक्सलवाद की जड़ें केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी हैं। दशकों तक भय, पिछड़ापन, बेरोज़गारी, शिक्षा की कमी और बुनियादी सुविधाओं से वंचित इलाकों में नक्सली विचारधारा को पनपने का मौका मिला। इसलिए असली जीत तभी मानी जाएगी जब इन इलाकों में विकास की रोशनी, सरकारी सुविधाएँ, रोज़गार के अवसर और बेहतर जीवन सुनिश्चित किए जाएँ। सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है। सड़कें बन रही हैं, बिजली पहुंच रही है, स्कूल-हॉस्पिटल खोले जा रहे हैं, कृषि और आजीविका मिशनों के ज़रिये स्थानीय लोगों को कमाई के स्रोत दिए जा रहे हैं। पुलिस-जन सहयोग बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। ITDP, PMGSY, LWE प्रभावित जिलों में विशेष विकास योजनाओं ने लोगों को ये विश्वास दिलाया है कि शासन उनकी ज़िंदगी बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक दक्षिण की आवाज़: जी-20 में अमेरिका की गैर-मौजूदगी ने भारत की भूमिका को और मजबूत किया

-गाज़ा प्रकरण से बिगड़े रिश्तों के बीच जी-20 में भारत को नेतृत्व विस्तार का अभूतपूर्व अवसर

दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहान्सबर्ग इन दिनों अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का केंद्र बनी हुई है। कारण स्पष्ट है—22-23 नवंबर को यहां जी-20 का वह महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित हो रहा है, जिसमें दुनिया के 19 सर्वाधिक प्रभावशाली देश एकत्र होने वाले हैं। ये वही राष्ट्र हैं जिनकी आर्थिक नीतियां वैश्विक बाजार की दिशा निर्धारित करती हैं, और जिनके फैसले पूरी दुनिया के राजनीतिक-सामरिक समीकरणों को प्रभावित करते हैं। लेकिन इस बार का सम्मेलन एक खास वजह से चर्चा में है—अमेरिका जी-20 से अपने कदम पीछे खींच चुका है। दुनिया की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था का इस समागम से दूर रहना केवल एक राजनयिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के बदलते चरित्र का संकेत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में श्वेत नागरिकों के मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हो रहा है, इसलिए वे सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या वाकई यह मुद्दा केवल मानवाधिकारों का है? या फिर यह ट्रंप की वही पुरानी राजनीति है, जिसमें आंतरिक ध्रुवीकरण को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है? इस मुद्दे को समझने के लिए हमें तीन बड़े पहलुओं पर नज़र डालनी होगी— अमेरिका का बहिष्कार क्या संकेत देता है? दक्षिण अफ्रीका-अमेरिका रिश्तों की मौजूदा खटास, इस परिस्थिति में भारत की भूमिका और अवसर

अमेरिका का बहिष्कार: क्या यह मानवाधिकारों की चिंता है या राजनीतिक प्रपंच?

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका पर आरोप लगाया है कि वहां श्वेत अफ्रीकन समुदाय के साथ अत्याचार, जमीनों पर कब्ज़ा और हिंसा जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका

की सरकार, मानवाधिकार आयोग, जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है— दक्षिण अफ्रीका में अपराध एक सामान्य सामाजिक समस्या है, किसी एक जातीय समूह के खिलाफ नहीं। भूमि सुधार पर वर्षों से बहस चल रही है, लेकिन किसी भी बड़े पैमाने पर श्वेत नागरिकों की जमीन छीनने की घटना साबित नहीं हुई है। ट्रंप द्वारा उठाया गया मुद्दा राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ाने वाला है, वास्तविकता से अधिक कल्पना पर आधारित। हकीकत यह है कि ट्रंप अपने अमेरिकी वोटबैंक—विशेषकर श्वेत दक्षिणपंथी समूहों—को संदेश देना चाहते हैं कि वे "विश्वभर में श्वेतों के अधिकारों के रक्षक" हैं। यह वही राजनीति है, जिसे वे अपने चुनावी अभियानों में इस्तेमाल करते रहे हैं।

अमरीका और दोहरे मानदंड की राजनीति

ये पहली बार नहीं है जब अमरीका ने किसी देश के घरेलू मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हथियार की तरह इस्तेमाल किया हो। जब कोई देश उसकी सामरिक या आर्थिक नीतियों से असहमत होता है, तो वह अचानक "मानवाधिकार" का झंडा उठा लेता है। वहीं जिन देशों से उसके आर्थिक हित जुड़े होते हैं, वहां के मानवाधिकार उल्लंघन को वह नजरअंदाज कर देता है। दक्षिण अफ्रीका के मामले में भी यही दोहरा रवैया साफ दिख रहा है।

गाज़ा मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीका की आक्रामक नीति

इस खटास का एक बड़ा कारण वह खुली आलोचना है, जो दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने गाज़ा में इजरायल की कार्रवाइयों के खिलाफ की। दक्षिण अफ्रीका लंबे समय से फिलिस्तीन का समर्थक रहा है, क्योंकि वह खुद भी उपनिवेशवाद और नस्लभेद के खिलाफ लड़ाई का इतिहास रखता है। दक्षिण अफ्रीका ने अंतरराष्ट्रीय अदालत (ICJ) तक में इजरायल पर नरसंहार जैसे आरोप लगाए, जिससे वाशिंगटन असहज हुआ। ट्रंप के बहिष्कार का यह भी एक छुपा संदेश है— जो देश अमरीकी हितों से अलग खड़े होंगे, उनसे दूरी बढ़ाई जाएगी।

जी-20 और बदलती वैश्विक राजनीति की धुरी

दुनिया नई ध्रुवीकृत वास्तविकता में प्रवेश कर चुकी है। एक ओर अमरीका, पश्चिमी यूरोप और उनके सहयोगी हैं दूसरी ओर वैश्विक दक्षिण (Global South) — एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका—अपनी नई पहचान और नेतृत्व की तलाश में हैं पिछले कुछ वर्षों में जी-20 केवल आर्थिक मंच नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन का सूचकालय बन गया है। जी-20 में शामिल उभरती अर्थव्यवस्थाओं—भारत, चीन, ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया—का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप का सम्मेलन से दूर रहना इस बात का भी संकेत है कि अमरीका अब उन मंचों में कम दिलचस्पी लेता है जहां उसे नेतृत्व की सीट चुनौतीपूर्ण लगे।

भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर: नई धुरी, नया नेतृत्व

अमरीका की अनुपस्थिति से जो खाली स्थान बना है, वह किसी भी देश के लिए बड़ा अवसर हो सकता है—और यह देश है भारत।

वैश्विक दक्षिण की आवाज़ बनने का मौका: भारत लगातार वैश्विक दक्षिण (Global South) की आवाज़ बनकर उभरा है। पिछले वर्षों में भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, वैक्सीन मैत्री, जलवायु न्याय और विकासशील देशों की समस्याओं पर मजबूत नेतृत्व दिखाया है। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच ऐतिहासिक साझेदारी (गुटनिरपेक्ष आंदोलन, ब्रिक्स, इब्सा गठबंधन) इस नेतृत्व को और मजबूत करती है। अमरीका का बहिष्कार उस शक्ति-संतुलन को और आगे बढ़ाता है, जहां भारत नए समन्वयक की भूमिका निभा सकता है।

भारत—अफ्रीका से सामरिक निकटता बढ़ा सकता है

अफ्रीका में चीन की मौजूदगी अत्यधिक है। अमरीका की दूरी बढ़ने से भारत को अवसर मिलता है कि— वह निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, डिफेंस और शिक्षा-साझेदारी के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका समेत पूरे महाद्वीप में अपने संबंधों को गहरा करे।

जलवायु व आर्थिक न्याय पर भारत की मुखर भूमिका

भारत लंबे समय से विकसित देशों के दोहरे मानदंडों की आलोचना करता आया है— जलवायु वित्त, ग्रीन एनर्जी, तकनीकी साझेदारी, इन सब में अमीर देशों की जवाबदेही कम रही है। अमरीका की गैर-मौजूदगी से भारत को एक शक्तिशाली आवाज मिलने वाली है, जिसके जरिए वह विकासशील देशों के हितों को वैश्विक एजेंडा बना सकता है।

दक्षिण अफ्रीका के साथ भारत की समानताएँ: एक साझा संघर्ष

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और भावनात्मक भी हैं। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ पहली लड़ाई लड़ी भारत ने सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका के नस्लभेद का विरोध किया अपार्थाइड के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़े साझेदारों में शामिल हुआ आज जब दक्षिण अफ्रीका वैश्विक दबावों से घिरा है, भारत का उसके साथ खड़ा होना दोनों देशों के लिए रणनीतिक दृष्टि से भी लाभकारी है।

ट्रंप का बहिष्कार: अमेरिका की गिरती वैश्विक पकड़ का संकेत

अमरीका के इस कदम के व्यापक परिणाम हैं: नेतृत्व संकट, अमरीका अब पहले जैसा सर्वमान्य वैश्विक नेता नहीं रह गया है। चीन आर्थिक शक्ति बन चुका है, रूस सैन्य प्रभाव बनाए हुए है, भारत राजनीतिक और नैतिक नेतृत्व का नया केंद्र बन रहा है, अमरीका का जी-20 से दूर रहना उसकी घटती स्वीकार्यता का संकेत है।

बहुपक्षवाद की चुनौती: जी-20 जैसे मंच बहुपक्षवाद (multilateral-ism) के आधार हैं। यदि अमरीका इससे दूरी बनाता है, तो दुनिया नए नेतृत्वकर्ताओं की तलाश करेगी—और वहां भारत प्राकृतिक विकल्प के रूप में उभरेगा।

घरेलू राजनीति का हस्तक्षेप: ट्रंप जैसे नेताओं की प्राथमिकता अंतरराष्ट्रीय स्थिरता नहीं, बल्कि घरेलू चुनावी समीकरण है। दक्षिण अफ्रीका पर लगाया गया "श्वेतों के उत्पीड़न" का आरोप उसी राजनीति का हिस्सा है।

भारत क्या कर सकता है? रणनीतिक दिशा

कृषि परिवर्तन की नई दिशा: किसानों को बाज़ार से जोड़ने और फसल सुरक्षा में राजस्थान की ऐतिहासिक पहल

-बिचौलियों का अंत, सीधी मदद से किसान हुए मज़बूत और आत्मनिर्भर

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और इन गांवों की रूह हमारे किसान हैं। किसान जितना मज़बूत होगा, देश की अर्थव्यवस्था उतनी ही स्थिर और सुरक्षित रहेगी। आज के दौर में जब मौसम बदल रहा है, आपदाएँ बढ़ रही हैं और बाज़ार का समीकरण पल-पल बदल रहा है, ऐसे में किसानों को आर्थिक सिक्योरिटी देना किसी भी समझदार सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। राजस्थान में पिछले दो वर्षों में इसी सोच के साथ कई बड़े और ठोस क़दम उठाए गए हैं। इन पहलों ने न सिर्फ़ किसानों की आमदनी बढ़ाई है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भर दी है। प्रदेश सरकार द्वारा अब तक किसानों को 1,24,000 करोड़ रुपये की जो वित्तीय सहायता दी गई है, वह केवल एक आंकड़ा भर नहीं है। यह उस बदलाव की निशानी है जो राजस्थान के खेत-खलिहानों की रौनक लौटाने के लिए ज़रूरी था। यह सहायता किसानों के लिए एक तरह की आर्थिक ढाल साबित हुई है, जिसने उन्हें कर्ज़, आपदा और बाज़ार की अस्थिरता से बचाने में अहम भूमिका निभाई है।

किसानों के लिए स्थायी आर्थिक सुरक्षा — पीएम किसान सम्मान निधि

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों के वित्तीय ढांचे को मज़बूत करने का बड़ा काम किया है। राजस्थान में 76.18 लाख किसान इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। अब तक 9127 करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। राशि का यह सीधा लाभ भुगतान (Direct Benefit Transfer) बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह ख़त्म करता है। पहले किसान को अक्सर कई चक्कर लगाने पड़ते थे, फॉर्म भरने से लेकर मंज़ूरी तक की प्रक्रिया में समय और पैसा दोनों खर्च होते थे। कई बार भ्रष्टाचार का भी सामना करना पड़ता था। लेकिन DBT प्रणाली ने इस पूरी कड़ी को पारदर्शी, आसान और किसान-हितैषी बना दिया है। सब से बड़ी बात यह है कि 20.35 लाख नए किसानों का पंजीकरण किया गया है, जिससे साबित होता है कि सरकार की नीयत स्पष्ट है—किसी भी पात्र किसान को लाभ से वंचित न रहने दिया जाए। यह कदम राज्य के कृषि तंत्र को समावेशी और न्यायपूर्ण बनाता है।

उचित मूल्य की गारंटी—राजस्थान कृषक समृद्धि योजना

बाजार में उतार-चढ़ाव किसान की कमर तोड़ देता है। कभी फसल की कीमत गिर जाती है, तो कभी लागत बढ़ जाती है। ऐसी स्थितियों में किसान को MSP और बोनस जैसी योजनाएं राहत देती हैं। राजस्थान सरकार की कृषक समृद्धि योजना इसी दिशा में एक अहम प्रयास है। इस योजना के तहत: 472 करोड़ रुपये की राशि खर्च कर: 2.67 लाख किसानों को गेहूं पर बोनस दिया गया है। यह बोनस किसानों के लिए सिर्फ़ तात्कालिक राहत नहीं है, बल्कि उन्हें उपज के उचित दाम का भरोसा देता है। इससे किसान को अगले सीजन के लिए खाद, बीज और दूसरी कृषि सामग्री खरीदने में आसानी होती है, साथ ही वह कर्ज़ के जाल में फंसने से बच जाता है।

आपदा प्रभावित किसानों को राहत—सरकार का त्वरित निर्णय

राजस्थान का बड़ा हिस्सा सूखा, ओलावृष्टि, आंधी और अनियमित बरसात जैसी चुनौतियों से हर साल जूझता है। मौसम का यह अनिश्चित स्वरूप किसानों के लिए लगातार चिंता का कारण रहता है। खरीफ 2025 सीजन में राज्य सरकार ने तेज़ी दिखाते हुए 24 जिलों के 14,687 गांवों को आपदा प्रभावित घोषित किया। इससे लगभग 44.80 लाख किसानों को राहत का रास्ता खुला। आपदा राहत मद से, 1947 करोड़ रुपये की सहायता 18.20 लाख किसानों तक पहुँचाई गई है। यह राशि उस समय बहुत बड़ी मदद साबित होती है जब किसान की पूरी मेहनत एक झटके में बर्बाद हो जाती है। सरकारी राहत उसे खड़े होने का हौसला देती है और पुनः खेती शुरू करने की शक्ति भी प्रदान करती है।

फसल बीमा योजना — अनिश्चित मौसम में आर्थिक सुरक्षा

किसान के लिए फसल बीमा योजना आज के दौर में वरदान से कम नहीं। बदलते हुए मौसम ने खेती को जोखिम भरा बना दिया है। ऐसे में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने राजस्थान के किसानों को बड़ी राहत दी है। अब तक 5965 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। यह बीमा सिर्फ़ नुकसान की भरपाई ही नहीं करता, बल्कि किसान को भविष्य के प्रति आत्मविश्वास भी देता है कि चाहे मौसम कितना भी बिगड़ जाए, उसकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी।

सिंचाई का विस्तार — खेती की जीवनरेखा

राजस्थान का भौगोलिक ढांचा सूखे और पानी की कमी वाला माना जाता है। ऐसे में सरकार द्वारा सिंचाई नेटवर्क को बढ़ाने का फैसला एक ऐतिहासिक कदम है। नहरी क्षेत्रों में 58,000 हेक्टेयर भूमि को नई सिंचाई सुविधाओं से जोड़ा गया है। इसके लिए 9512 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। पानी जिस खेत तक पहुंचेगा, वहां उत्पादन बढ़ेगा। उत्पादन बढ़ेगा तो किसान की आमदनी भी बढ़ेगी। सिंचाई का यह विस्तार राजस्थान को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि विद्युत सब्सिडी — लागत कम, लाभ अधिक

खेती का बड़ा खर्च बिजली पर आता है—ट्यूबवेल, मोटर, सिंचाई पंप आदि। बिजली बिलों में 41,052 करोड़ रुपये की सब्सिडी देकर सरकार ने किसानों की जेब पर पड़ने वाला भारी बोझ कम किया है। इसके साथ ही 1.78 लाख से अधिक नए कृषि कनेक्शन जारी किए गए हैं। इससे वे किसान भी सिंचाई की सुविधाओं से जुड़ पाए हैं, जो लंबे समय से बिजली कनेक्शन के इंतज़ार में थे। सिंचाई का दायरा बढ़ने का सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ता है और यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाता है।

सोलर पंप—ऊर्जा का नया विकल्प, भविष्य की खेती का आधार

आज दुनिया नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। राजस्थान ने इस दिशा में तेज़ कदम बढ़ाया है। पीएम कुसुम योजना के तहत 50,090 सोलर पंप सेट स्थापित किए गए हैं। इन पर 733 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

ठगी और भूमि घोटालों की जड़ों पर सीधी चोट: रेरा का सभी नगरीय निकायों से मंजूर योजनाओं का पूरा रिकॉर्ड मांगने का बड़ा फैसला

-डिजिटलीकरण और पारदर्शिता से फर्जी कॉलोनियों, दोहरी रजिस्ट्री और जमीन घोटालों पर लगेगी निर्णायक रोक

रियल एस्टेट सेक्टर किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति का अहम आधार होता है। शहर बढ़ते हैं तो घर, प्लॉट, कमर्शियल स्पेस और इंडस्ट्रियल ज़ोन जैसी ज़रूरतें भी तेज़ी से बढ़ती हैं। लेकिन जैसे-जैसे मांग बढ़ती है, वैसे-वैसे धोखाधड़ी और घोटालों की गुंजाइश भी बढ़ जाती है। राजस्थान में पिछले कुछ वर्षों में भूमि विवाद, फर्जी कॉलोनियां, दोहरी रजिस्ट्री, गलत लैंड यूज़ और अवैध लेआउट जैसे मामलों में जिस तरह इज़ाफ़ा हुआ है, उसने आम खरीदार का भरोसा हिला कर रख दिया है। ऐसे माहौल में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) का सभी नगरीय निकायों से मंजूर योजनाओं का पूरा रिकॉर्ड मांगना सिर्फ एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जड़ों में बैठे भ्रष्टाचार पर सीधी चोट है।

भूमि और रियल एस्टेट में ठगी कैसे होती है?

रियल एस्टेट सेक्टर में धोखाधड़ी के तरीके बेहद चालाकी से रचे जाते हैं। आम खरीदार कानूनी पेचीदगियों को समझ नहीं पाता और फंस जाता है। राजस्थान ही नहीं, पूरे भारत में जमीन से जुड़े कुछ आम घोटाले इस प्रकार हैं—

विवादित जमीन बेचना: कई बार डेवलपर या बिचौलिए ऐसी जमीन बेच देते हैं जो पहले से ही किसी विवाद में फंसी होती है। वर्षों पुराने मुकदमे, परिवारों के झगड़े या अधिग्रहण के मामले छिपा दिए जाते हैं। खरीदार बाद में कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाता है।

एक ही प्लॉट की दोहरी रजिस्ट्री: यह सबसे आम फ्रॉड है। एक जमीन दो या तीन लोगों को बेच दी जाती है। जब दूसरा खरीदार रजिस्ट्री करवाने जाता है तो उसे मालूम पड़ता है कि जमीन पहले ही किसी और के नाम दर्ज हो चुकी है।

कृषि भूमि को रिहायशी बताकर बेचना: कई डेवलपर्स बिना लैंड यूज़ बदले (कन्वर्ज़न कराए बिना) कृषि भूमि को रिहायशी या कमर्शियल बता कर प्लॉट काट देते हैं। बाद में न तो नक्शा पास होता है, न बिजली-पानी मिलता है। खरीदार जीवन भर घर नहीं बना पाता।

फर्जी मंजूर लेआउट दिखाना: कुछ कॉलोनाइज़र नकली लेआउट तैयार करके खरीदार को दिखाते हैं और दावा करते हैं कि यह योजना 'नगरीय निकाय से पास है'। लेकिन जब खरीदार असली रिकॉर्ड निकलवाने जाता है तो मालूम पड़ता है कि मंजूरी है ही नहीं।

ग्राम पंचायतों की आड़ में अवैध कॉलोनियां: बढ़ते शहरों के आसपास कई लोग ग्राम पंचायत की अनुमति दिखाकर प्लॉटिंग कर देते हैं। लेकिन नियमों के अनुसार शहरी सीमा के पास स्थित क्षेत्रों में ग्राम पंचायत से मंजूरी मान्य ही नहीं होती। बाद में कॉलोनी को सड़क नहीं मिलती, पानी-सीवर नहीं मिलता, बिजली का कनेक्शन भी अवैध माना जाता है।

सीमांकन और लैंड टाइटल की गड़बड़ी: कई मामलों में असली सीमांकन (demarcation) दिखाया नहीं जाता और नकली नक्शा देकर जमीन का आकार बढ़ा-चढ़ा कर दिखा दिया जाता है, जिससे खरीदार को नुकसान होता है। इन सब वजहों से खरीदार सबसे ज़्यादा असुरक्षित सेक्टर रियल एस्टेट को मानता है। यही अव्यवस्था रेरा को कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर करती है।

रेरा की नई पहल क्यों महत्वपूर्ण है?

रेरा राजस्थान ने सभी नगर निगमों, नगर परिषदों, नगर पालिकाओं और विकास प्राधिकरणों से यह आदेश देकर कि वे मंजूर योजनाओं का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध करवाएं—पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। यह पहल इसलिए जरूरी है— फर्जी कॉलोनियों पर लगाम: जब हर मंजूर योजना का रिकॉर्ड डिजिटल उपलब्ध होगा, तब कोई भी डेवलपर नकली लेआउट दिखाकर प्लॉट नहीं बेच पाएगा। खरीदार एक क्लिक में सत्यापित कर सकेगा कि योजना वाकई मंजूर है या नहीं।

दोहरी रजिस्ट्री रोकने में मदद: यदि हर प्लॉट का रिकॉर्ड ऑनलाइन होगा और यूनिक पहचान (unique code) से जुड़ा होगा, तो दोहरी बिक्री स्वतः रुक जाएगी।

निकायों की जवाबदेही बढ़ेगी: कई बार भ्रष्टाचार स्थानीय निकायों में ही पनपता है। रिकॉर्ड ऑनलाइन करने से यह पता चलेगा कि किस अधिकारी ने कब कौन-सी अनुमति दी। इससे जवाबदेही तय होगी और मनमानी नहीं चलेगी।

खरीदार का भरोसा लौटेगा: जब खरीदार को सत्यापित, अपडेटेड और सरकारी डेटा ऑनलाइन मिलेगा, तो वह अधिक सुरक्षित महसूस करेगा। निवेश बढ़ेगा और रियल एस्टेट सेक्टर मजबूत होगा।

सरकारी राजस्व में बढ़ोतरी: अवैध कॉलोनियों से न तो टैक्स मिलता है, न फीस। लेकिन जब सब कानूनी होगा तो सरकार को राजस्व मिलेगा और शहरों का विकास तेज़ी से हो सकेगा।

दूसरे राज्यों में सफल सिस्टम — राजस्थान के लिए प्रेरणा

भारत के कई राज्यों ने इस दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। राजस्थान भी यदि इन्हें अपनाए, तो रियल एस्टेट सेक्टर में व्याप्त अव्यवस्था दूर हो सकती है।

महाराष्ट्र — महा-रेरा मॉडल: महाराष्ट्र में रियल एस्टेट का सबसे पारदर्शी सिस्टम माना जाता है। महा-रेरा की प्रमुख विशेषताएं: हर प्रोजेक्ट का पूरा विवरण ऑनलाइन अनिवार्य, मंजूरी पत्र, नक्शा, निर्माण प्रगति, बैंक अकाउंट, मुकदमे—सब जानकारी सार्वजनिक, खरीदार अपने मोबाइल से देख सकता है कि प्लॉट/फ्लैट की स्थिति क्या है, प्रोजेक्ट देर से चल रहा है या नहीं, इसका रियल टाइम डेटा, इस मॉडल ने फ्रॉड को लगभग खत्म कर दिया है और निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।, दिल्ली-एनसीआर — यूनिक कोड और नो-डुप्लीकेट रजिस्ट्री सिस्टम, दिल्ली और आसपास के कई विकास प्राधिकरणों ने जमीन की पहचान के लिए यूनिक कोड सिस्टम लागू किया है।, बिना यूनिक कोड के रजिस्ट्री हो ही नहीं होती, इससे एक ही जमीन दो बार बेचने की कोशिश तुरंत पकड़ में आ जाती है, कोर्ट में जाने वाले मामलों में भारी कमी आई है, राजस्थान में यह सिस्टम लागू हो जाए, तो हजारों खरीदारों को राहत मिलेगी।

राजस्थान में क्यों ज़रूरी है ऑनलाइन रिकॉर्ड और सत्यापन?

राजस्थान में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर जैसे शहरों में रियल एस्टेट की मांग हर साल बढ़ रही है।

राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025 का हुआ भव्य आगाज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस अकादमी में शुक्रवार का दिन पुलिसिंग की दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण रहा। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में 'उत्कृष्टता के साथ पुलिसिंग-आगे की राह' विषय पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया गया। आज इस सम्मेलन से ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड पर राजस्थान के 600 पुलिस अधिकारी जुड़े और आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरे दिन तकनीकी नवाचारों, सामाजिक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर मंथन किया।

राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025 के उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि अनिल पालीवाल महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण एवं यातायात रहे। सत्र के प्रारम्भ में महानिदेशक/महानिरीक्षक पुलिस, सम्मेलन की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि व उसके मुख्य मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात संजीव कुमार नार्जारी, निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा सम्मेंलन का परिचय व अतिथियों का स्वागत कर उदबोधित किया।

गोविन्द गुप्ता, महानिदेशक पुलिस एसीबी ने अपने उदबोधन में कहा कि पुलिस के प्रत्येक व्यक्ति को बदलते परिपेक्ष्य के अनुसार दक्ष होने की आवश्यकता है और पुलिस नवाचारों हेतु सदैव कार्य करे व कुशलता बढाये। आज पुलिस में डाटा बेस कन्फर्मेशन की सख्त आवश्यकता है। श्रीमती मालिनी अग्रवाल, महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक एवं कमान्डेन्ट जनरल गृह रक्षा ने कहा कि सम्मेलन में एक साथ चर्चा होने पर विषय वस्तु में हम अद्यतन होते हैं। तकनीक का सहारा ले रहे अपराधियों का सामना करने के लिए पुलिस भी अपडेट हो चुकी है तथापि क्षेत्र अनुसार अलग-अलग कान्फ्रेन्स की जाकर रणनीति बनाई जानी चाहिए। सम्मेलन के मुख्य अतिथि अनिल पालीवाल महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण एवं यातायात, ने अपने उदबोधन में सम्मेलन की विषय वस्तु की विशेषताओं और अपराध के वर्तमन परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुये श्रीमद्भगवतगीता के उद्दरण "इच्छति - जानति - करोति" की महता पर बल दिया व नये व पुराने तरीकों को समायोजित करते हुये तकनीकों एवं मानवीय पहलुओं में सामन्जस्य रखते हुये नये आपराधिक कानूनों के महत्वपूर्ण प्रावधानों, विशेष रुप से सम्पत्ति संबंधी एवं जालसाजी अपराधों के विशेष प्रावधानों, आर्टीफिशियल इन्टेलीजेन्स, (एआई), चैट जीपीटी, डीप फेक एण्ड इन्टरनेट ऑफ थिंग्स् विकनेस, ऑपोरच्यूनिटी एवं थ्रेट के विषय के रूप में जानकारी साझा करना, महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के विरूद्ध अपराधों, प्रतिक्रिया तन्त्र को मजबूत करने, मामलों की प्रभावी जांच और समय पर न्याय सुनिश्चित करने व सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबन्धन तथा मृत्यु दर कम करने की रणनीति के तहत पुलिसिंग करने पर बल दिया। उदघाटन सत्र के अन्त में आरपीए के अतिरिक्त निदेशक शंकर दत्त शर्मा ने सम्मेलन में पधारे व ऑनलाईन माध्यम से जुडे अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन का संचालन डॉ.अनुकृति उज्जैनिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरपीए द्वारा किया गया।

जयपुर में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का पर्दाफाश

-अमेरिकी नागरिकों को बनाते थे शिकार, 11 युवतियों समेत 60 गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है। मालवीय नगर और प्रतापनगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 60 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है, जो जयपुर में बैठकर अमेरिकी नागरिकों को चूना लगा रहे थे। पुलिस कमिश्नर ने किया खुलासा पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने प्रेस कांफ्रेंस कर इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस को इन इलाकों में अवैध कॉल सेंटर चलने की सूचना मिली थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 49 पुरुषों और 11 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वहां से 57 कंप्यूटर, 3 लैपटॉप और बड़ी संख्या में मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। अमेज़ॉन और एप्पल के नाम पर डराकर ठगी पुलिस जांच में सामने आया है कि ये ठग खुद को अमेज़ॉन और एप्पल जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों का कस्टमर केयर अधिकारी बताते थे। ये आरोपी ऑनलाइन फर्जी नंबर डालकर अमेरिकी नागरिकों से संपर्क करते थे। जब्त किए गए कंप्यूटरों में अमेरिकी एजेंसियों के फर्जी वारंट नोटिस, रसीदें और डराने वाले दस्तावेज़ मिले हैं। इन्हीं दस्तावेज़ों का डर दिखाकर ये ठग अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर की ठगी कर चुके हैं। हाई-टेक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल पकड़े जाने से बचने के लिए ये शातिर अपराधी 'EYEBEAM' और 'VICI' जैसे हाई-टेक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते थे, जिससे साइबर एजेंसियों को इनकी लोकेशन और गतिविधियों की भनक नहीं लग पाती थी। पुलिस का सख्त संदेश पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने स्पष्ट किया है कि जयपुर में साइबर अपराधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। फर्जी कॉल सेंटर चलाने वालों और साइबर ठगी में लिप्त लोगों पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई, 11 केन्टर सामान जब्त

-88 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में ओटीएस चैराहा से सरस पुलिया तक दोनों तरफ, गांधी सर्किल से गांधी नगर मोड़ तक जेडीए के साथ, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, बीएसएनएल ऑफिस दुर्गापुरा, विश्वशरैया नगर त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास, शिप्रापथ मानसरोवर तिब्बती मार्केट के पास एवं बी-2 बाईपास टोंक रोड़ से न्यू सांगानेर रोड़, त्रिपोलिया बाज़ार, बड़ी चैपड़, छोटी चैपड़, किशनपोल बाजार, संजय बाजार, बापू बाजार, झोटवाड़ा रोड, क्ठठ के सामने, कबीर मार्ग, कलेक्टरी के पीछे का क्षेत्र, जिला एवं शेषण न्यायालय के आसपास, वैशाली नगर, 22 गोदाम रोड, विश्वकर्मा बाजार, चैड़ा रास्ता, जौहरी बाजार, जौरावर सिंह गेट, पुराना रामगढ़ मोड़, जलमहल, आमेर मार्ग, बठवाड़ी, दिल्ली बाइपास रोड, गलता गेट रोड, ट्रांसपोर्ट नगर रोड, रोटरी सर्किल, घाट की गुणी, जगतपुरा रोड, जामडोली से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 88 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 11 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में ओटीएस चैराहा से सरस पुलिया तक दोनों तरफ, गांधी सर्किल से गांधी नगर मोड़ तक जेडीए के साथ, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, बीएसएनएल ऑफिस दुर्गापुरा, विश्वशरैया नगर त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास, शिप्रापथ मानसरोवर तिब्बती मार्केट के पास एवं बी-2 बाईपास टोंक रोड़ से न्यू सांगानेर रोड़, त्रिपोलिया बाज़ार, बड़ी चैपड़, छोटी चैपड़, किशनपोल बाजार, संजय बाजार, बापू बाजार, झोटवाड़ा रोड, क्ठठ के सामने, कबीर मार्ग, कलेक्टरी के पीछे का क्षेत्र, जिला एवं शेषण न्यायालय के आसपास, वैशाली नगर, 22 गोदाम रोड, विश्वकर्मा बाजार, चैड़ा रास्ता, जौहरी बाजार, जौरावर सिंह गेट, पुराना रामगढ़ मोड़, जलमहल, आमेर मार्ग, बठवाड़ी, दिल्ली बाइपास रोड, गलता गेट रोड, ट्रांसपोर्ट नगर रोड, रोटरी सर्किल, घाट की गुणी, जगतपुरा रोड, जामडोली से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 11 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 88 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

राजस्थान में मिनरल एक्सप्लोरेशन को लेकर ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीशन की रुचि

-हेवी रेयर अर्थ एलिमेंट भंडार पर हुई अहम चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीशन के प्रतिनिधियों ने मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में राजस्थान में कार्य करने में रुचि दिखाई है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त से शुक्रवार को सचिवालय में ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीशन के गुजरात-राजस्थान के डिप्टी हाईकमीश्नर स्टिफेन हिकलिंग, वरिष्ठ सलाहकार अहमदाबाद श्रीमती मोमिता भट्टाचार्य, वरिष्ठ ट्रेड सलाहकार अनूप नारायण और श्रीमती ब्रह्मदथा माया ने मुलाकात कर राजस्थान की खनिज संपदा और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीश्नर के चारों सदस्यों ने खासतौर से राजस्थान में क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के खोज खनन पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि डिप्टी हाईकमीशन इस समय गुजरात और ओडिसा में वहां की उपक्रमों के कोलोब्रेशन में काम कर रहा है। राजस्थान में खनन क्षेत्र में विपुल संभावनाओं को देखते हुए ब्रिटिश डिप्टी कमीशन राजस्थान में भी कोलोब्रेशन के साथ काम करने की संभावना तलाश रहा है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने कहा कि राजस्थान में विविध प्रकार के खनिजों के विपुल भण्डार है। राजस्थान के सिवाना रिंग क्षेत्र में हेबी रेयर अर्थ एलिमेंट के डिपोजिट मिले हैं तो ग्रेफाइट, यूरेनियम, पोटाश आदि आदि क्रिटिकल मिनरल उपलब्ध है। नेशनल क्रिटिकल मिशन के तहत भारत सरकार आरईई के खोज और खनन कार्य पर विशेष जोर दे रही है। इसके लिए इण्डियन रेयर अर्थ लिमिटेड, आयल इण्डिया, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मशीन लर्निंग स्टार्टअप्स को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजस्थान स्टेट मिनरल व माइंस, राजस्थान स्टेट मिनरल एक्स्पलोरेशन ट्रस्ट या भारत सरकार द्वारा एंपेनल्ड संस्थाओं के कोलोब्रेशन के साथ काम किया जा सकता है पर इसके लिए विदेश मंत्रालय सहित संबंधित विभाग स्तर पर आवश्यक औपचारिकता पूरी करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। रविकान्त ने कहा कि राज्य सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है और सस्टेनेबल माइनिंग को अपनाया जा रहा है। चर्चा के दौरान अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान आलोक प्रकाश जैन और अधीक्षण भूवैज्ञानिक संजय सक्सैना ने भी हिस्सा लिया।

जेडीए की बड़ी कार्रवाई:

कई जोनों में करोड़ों की सरकारी भूमि अतिक्रमण से मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-2 में आकेड़ा डूंगर में जेडीए स्वामित्व की करीब 1.5 बीघा बेषकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया। जोन-10 में ईकोलोजिकल जोन में जेडीए स्वामित्व की बेषकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-01 में नगर निगम के साथ सामूहिक अभियान के तहत ओ.टी.एस. चौराहा से फ्लाई ओवर भास्कर पुलिया के नीचे से ओझा जी का बाग से गांधीनगर मोड़ टोंक रोड़ तक दोनो तरफ रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-13 में गैर अनुमोदित योजना जगदम्बा विहार विस्तार के भूखण्ड संख्या 38 में जेडीए की बिना अनुमति एवं स्वीकृति के बने 02 मंजिला अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-02 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम आकेड़ा डूंगर, तहसील आमेर, जिला जयपुर के खसरा नं. 1006 मुख्य रोड़ के पास में जेडीए स्वामित्व की करीब 1.5 बीघा बेषकीमती सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर पत्थर पट्टियों की टाल, बांस तम्बू की झुग्गी-झोपडी, काउण्टर, कुर्सियां इत्यादि लगाकर अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को श्रीमान् उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में प्रवर्तन अधिकारी जोन-02 की मौजूदगी में आज जोन-02 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर बेषकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त भूमि की अनुमानित कीमती करीब 08 करोड़ रूपये है। जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित जामडोली, देवी रतन होटल के सामने, जिला जयपुर के खसरा नं. 504/2 में जेडीए स्वामित्व की बेषकीमती सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई बाउण्ड्रीवाल, कोठरी, नींव का निर्माण कर अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को श्रीमान् उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-10 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर बेषकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-01 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ओ.टी.एस. चौराहा से फ्लाई ओवर भास्कर पुलिया के नीचे से ओझा जी का बाग से गांधीनगर मोड़ टोंक रोड़ तक दोनो तरफ रोड़ सीमा पर करीब 110 स्थानों पर अत्याधिक लम्बाई में बने चबूतरे, बाउण्ड्रीवाल, लगाये गये लोहे के ऐंगल, टीनषेड,थडियां, ठेले, होर्डिंग, साईन बोर्ड इत्यादि लगाकर किये गये अतिक्रमणों को नगर निगम के साथ सामुहिक अभियान के तहत उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-01 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। नगर निगम के जाप्तें के द्वारा 03 ट्रक ट्रोली भरकर सामान जप्त किया गया। जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जुगलपुरा, दिल्ली रोड़, निम्स अस्पताल के सामने, जिला जयपुर गैर अनुमोदित जगदम्बा विहार विस्तार के भूखण्ड संख्या 38 में जेडीए की बिना अनुमति एवं स्वीकृति के अवैध निर्माण किये जाने पर पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था।

जयपुर पश्चिम पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

25,000 रुपये के ईनामी अपराधी अनुज बिजारणिया गिरफ्तार

जयपुर। जिला जयपुर पश्चिम में वांछित और ईनामी अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। डीएसटी टीम जयपुर पश्चिम ने 25,000 रुपये के फरार ईनामी अपराधी अनुज बिजारणिया उर्फ अनोज बिजारणिया को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने नेशनल सीड्स कॉरपोरेशन लिमिटेड की ऑनलाइन परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने की साजिश रची थी और लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था।

अभियान का नेतृत्व और दिशा-निर्देश

पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद, आईपीएस ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अपराध शाखा राजस्थान के निर्देश पर वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक सिंघल के नेतृत्व में डीएसटी प्रभारी पुलिस निरीक्षक गणेश सैनी सहित डीएसटी और तकनीकी टीमों को गठित किया गया था। इसी अभियान के तहत 25,000 रुपये के ईनामी आरोपी अनुज बिजारणिया को गिरफ्तार किया गया।

कैसे पकड़ा गया आरोपी

निर्देशानुसार डीएसटी टीम ने मुखबिर तंत्र, थाना रिकॉर्ड, तकनीकी इनपुट और लगातार निगरानी के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा नंबर 18/2025 धारा 318(4), 61(2)(A) बीएनएस 2023, 43 व 66 आईटी एक्ट 2008 और राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 10(1) में वांछित आरोपी को जयपुर के वैशालीनगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

अपराध का तरीका

गिरफ्तार आरोपी अनुज बिजारणिया नेशनल सीड्स कॉरपोरेशन लिमिटेड में एग्री ट्रेनी के पद पर कार्यरत था। आरोपी ने इस पद का लाभ उठाते हुए ऑनलाइन परीक्षा में नकल कराने की योजना बनाई। वह अपने साथी राजेंद्र कुमार के साथ मिलकर एक एग्रीकल्चर शिक्षक से संपर्क में आया और उसे परीक्षा हल करवाने के लिए 1.50 लाख रुपये देने का प्रलोभन दिया। शिक्षक को संदेह होने पर उसने पेपर सॉल्व करने से इनकार कर दिया। इस मामले में खुलासा हुआ कि आरोपी परीक्षा केंद्र संचालकों व हैकरों के साथ मिलकर परीक्षा सॉफ्टवेयर में हेरफेर करते थे और छात्रों से 50-50 हजार रुपये एडवांस लेकर उन्हें पास कराने की गारंटी देते थे।

ईनामी घोषणा

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम कार्यालय ने 17 अप्रैल 2025 को 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया था।

गिरफ्तारी करने वाली टीम

इस सफल कार्रवाई में निम्न पुलिसकर्मियों की विशेष भूमिका रही— गणेश सैनी पुलिस निरीक्षक, डीएसटी प्रभारी, पवन हैड कांस्टेबल, राकेश कुमार कांस्टेबल, मुकुट कांस्टेबल, सुरेश कुमार कांस्टेबल (विशेष भूमिका), सुरेंद्र हैड कांस्टेबल, दिनेश कुमार हैड कांस्टेबल (तकनीकी टीम), सुनील कुमार कांस्टेबल, बहादुर कांस्टेबल, राजमहेंद्र सिंह कांस्टेबल जयपुर पश्चिम पुलिस की इस कार्रवाई ने परीक्षा फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह पर कड़ा प्रहार किया है और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश दिया है।

सहकारिता मंत्री ने किया 'जना उपहार सुपर मार्केट' का उद्घाटन

-सहकारी समितियों को बनाया जा रहा आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं प्रतिस्पर्धी - सहकारिता मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियां बाजार की मांग के अनुरूप व्यावसायिक गतिविधियां आरम्भ कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं प्रतिस्पर्धी बनें, इसके लिए सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत सहकारिता विभाग द्वारा विभिन्न नवाचारों और गतिविधियों के माध्यम से सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त बनाया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर के वैशाली नगर में शुरू किया गया 'जनाः-उपहार सुपर मार्केट' एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। दक ने शुक्रवार को जयपुर के वैशाली नगर में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) एवं भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) द्वारा ज्वाइंट वेंचर के अंतर्गत शुरू किये गए 'जनाः-उपहार सुपर मार्केट' का उद्घाटन किया। उन्होंने सुपर मार्केट का अवलोकन कर उत्पादों की जानकारी ली। दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्था एनसीसीएफ एवं राज्य स्तर की सहकारी संस्था कॉनफेड के माध्यम से शुरु किये गए इस सुपर मार्केट में विशेष रूप से 'जनाः' ब्राण्ड के ऑर्गेनिक उत्पाद एवं 'उपहार' ब्राण्ड के सुप्रसिद्ध मसाले व मिलेट उत्पाद स्टोर पर उपलब्ध करवाये गए हैं। आमजन को एक ही स्थान पर ये गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उचित दर पर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों की इस पहल से किसानों को उनकी उपज के उचित दाम मिलेंगे साथ ही उनके उत्पादों के विक्रय के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर से लेकर ग्रामीण स्तर तक की सहकारी समितियों को वर्तमान समय से अनुरूप नवीन गतिविधियां प्रारम्भ कर आर्थिक समृद्ध बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा तथा राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप सहकारी संस्थाओं-समितियों द्वारा मिलेट आउटलेट्स खोले जाने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 201 मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं। यह निर्धारित लक्ष्य से लगभग 6 गुना अधिक है। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) एवं कॉनफेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती शिल्पी पांडे एवं एनसीसीएफ की स्टेट हैड मधु शर्मा सहित सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

देवनानी ने अजमेर में 4.5 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ गुरूवार को किया। उन्होंने कुल 79 लाख रुपये की लागत के दो सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। दोनों सड़कें सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित की जाएगी। इससे क्षेत्र की यातायात सुविधा और सुगम होगी। इसी क्रम में देवनानी ने क्षतिग्रस्त नालों के पुनर्निर्माण कार्य का भी शुभारम्भ किया। यह निर्माण कार्य 3 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा करवाया जाएगा। नालों के निर्माण से क्षेत्र में जलभराव की समस्या दूर होगी तथा स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाएँ प्राप्त होंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पूरे शहर में आधारभूत विकास कार्यों की गति लगातार तेज हो रही है। सड़कों, नालों, पेयजल, विद्त और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए करोड़ों रुपये के कार्यों को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि शहर में ड्रेनेज व्यवस्था को सशक्त करने के लिए करोड़ों की लागत से नाले बनाए जा रहे हैं तथा अनेक सड़क परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। देवनानी ने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए तीन बड़े रिज़र्वायरों का निर्माण प्रस्तावित है। इससे शहरवासियों को पर्याप्त और नियमित पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि विद्त आपूर्ति को सुद्दढ़ करने के लिए हाथीभाटा में 132 केवी जीएसएस का निर्माण किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार विकास कार्य किए जा रहे है। कोटड़ा क्षेत्र में 50 बेड का सैटेलाइट चिकित्सालय स्थापित किया गया है तथा जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने के लिए स्पीकर हेल्प डेस्क लगातार सहायता प्रदान कर रही है। पर्यटन विकास को लेकर उन्होंने कहा कि अजमेर में प्रस्तावित लेपर्ड सफारी शहर को एक नया पर्यावरणीय पर्यटन स्थल प्रदान करेगी। साथ ही वरुण सागर झील के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसमें चेटीचंद से पूर्व वरुण देव की मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए बहुमंजिला लाइब्रेरी, तथा अजमेर में प्रवेश करते समय सुंदर अनुभव प्रदान करने के लिए नए प्रवेश द्वार का निर्माण भी शहर के व्यापक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी योजनाओं के पूरा होने से अजमेर शहर की कायापलट होगी और यह शहर अधिक सुंदर, स्वच्छ और श्रेष्ठ बनकर उभरेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से इस विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

ऐतिहासिक जीत पर भाया पहुंचे मतदाताओं का आभार जताने

-क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास के मुद्दे उठाऊंगा विधानसभा में- भाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । अन्ता विधानसभा उप चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया शुक्रवार 21 नवंबर को मतदाताओं के प्रति कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करने के लिए विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया आज अन्ता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बमूलियाकलां, बरखेडा एवं अन्ता शहर में मतदाताओं का आभार व्यक्त करने के लिए पहुंचे। इस दौरान भाया के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा, पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल, पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा भी साथ में रहें। अन्ता शहर में बारां रोड नहर से धन्यवाद यात्रा प्रारम्भ हुई। अन्ता नगर को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत द्वारों, होर्डिंग्स एवं बैनरों से सजाया हुआ था। विभिन्न सामाजिक संगठना, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाया का स्थान-स्थान पर माल्यार्पण, शॉल, श्रीफल भेंट कर, आतिशबाजी, मिठाई खिलाकर स्वागत सम्मान किया गया। प्रमोद जैन भाया ने इस अवसर पर कहा कि मतदाताओं ने उन पर विश्वास व्यक्त कर उन्हें ऐतिहासिक जीत दिलाई है इसके लिए वह मतदाताओं के हमेशा ऋणी रहेंगे। उन्होनें कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी अंता विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने सौंपी है उसे वह पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करने का प्रयास करेंगे तथा क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं के मुद्दे अन्ता विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं की आवाज बनकर विधानसभा में उठाएंगे।

एसआईआर कार्यक्रम के कार्य को समयबद्धता से पूरा करें - तोमर

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि जिले में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में प्रभावी मॉनीटरिंग करते हुए गणना प्रपत्रों का डिजिटाईजेशन समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। जिससे पात्र मतदाता सूची में सम्मिलित होते हुए निर्वाचन में मताधिकार का उपयोग कर सकें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह निर्देश शुक्रवार को मिनी सचिवालय स्थित डीओआईटी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में विधानसभा क्षेत्र छबड़ा, किशनगंज व बारां-अटरू के निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों एवं एसडीएम सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिए।

उन्होंने कहा कि मतदाताओं को दिए जा रहे गणना पत्रों के साथ पावती अवश्य दी जाए। साथ ही उचित कारणों से मतदाताओं के हटाए जाने वाले नामों की सूची भी यथाशीघ्र तैयार की जाए। पुनर्वास के प्रकरणों में गहन जांच करते हुए कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों से इस कार्य में जो गति आई है उसे बरकरार रखते हुए आगे के कार्य को भी पूरी गंभीरता के साथ किया जाए। कम प्रगति वाले बूथों पर विशेष ध्यान देते हुए वहां भी वर्तमान औसत 60 प्रतिशत के अनुसार प्रगति सुनिश्चित की जाए।

तोमर ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी 30 नवंबर तक 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के लक्ष्य के साथ कार्य करें तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाते हुए पूर्ण पारदर्शिता के साथ यह काम पूरा करें। उन्होंने अधिकारियों से फील्ड में आ रही कठिनाइयों के बारे में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी व एसआईआर प्रभारी सतीश परिहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तीन बीएलओ सम्मानित

जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान एसआईआर कार्यक्रम में 20 नवंबर तक गणना प्रपत्र एवं डिजिटाईजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बारां-अटरू विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 258 के बीएलओ प्रेमबिहारी नागर, भाग संख्या 279 के बीएलओ महेन्द्र कुमार शर्मा तथा छबड़ा विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 47 के बीएलओ महेन्द्र कुमार को प्रशस्ति पत्र व उपहार प्रदान कर सम्मानित किया।

बारां अटरु विधानसभा बीएलए 2 की कार्यशाला मुंडली बालाजी पर संपन्न हुई

-विधायक राधेश्याम बैरवा के नेतृत्व मे बीएलए 2 की कार्यशाला संपन्न हुई

बारां (रॉयल पत्रिका) । भाजपा की बारां अटरु विधानसभा बीएलए 2 की कार्यशाला नेशनल हाईवे पर स्थित मुंडली बालाजी धाम पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओ की मौजूदगी मे शुक्रवार 21 नवंबर को आयोजित हुई जिसमे भाजपा के जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार ने कहा की आगामी चुनावों मे S I R प्रक्रिया बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगी सभी कार्यकर्ताओं को इस अभियान मे नियत समय पर सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने का आह्वान किया।

प्रदेश प्रवक्ता बीएलए 2 जिले के भाजपा प्रभारी अनुराग जांगिड़ ने कार्यशाला मे जिलेभर मे जारी मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के बारे में चर्चा करते हुए कहा की SIR प्रक्रिया मे बी एल ए 2 अपनी विशेष भागीधारी निभाकर कर फॉर्म 6एवं 7 व 8 की प्रकिया पूर्ण करने मे बी एल ओ का सहयोग करें इस विशेष प्रक्रिया मे भाजपा पदाधिकारीयों कार्यकर्ताओं तथा बी एल ए 2 ध्यान देकर प्रकिया को पूर्ण करवाये।

विधायक राधेश्याम बैरवा ने कहा की सभी जागरूक लोग व कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को समझे और अनावश्यक रूप से किसी भी व्यक्ति का नाम नही कटे इसका विशेष ध्यान देने की जरूरत है बीएलओ के साथ मिलकर सम्पूर्ण प्रक्रिया संपन्न करवाये, वही विधायक बैरवा ने कार्यशाला मे पधारे हुए सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेताओ को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया!

ये रहे उपस्थित

पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र नागर व नंदलाल सुमन, वरिष्ठ नेता यशभानु जैन, जयपुर सम्भाग सह प्रभारी संजीव भारद्वाज, जिला महामंत्री हरगोविंद जैन, जिला उपाध्यक्ष अशोक बत्रा, गोविंद सिंह चौहान, निर्मल माथोडिया, संजय झाम्ब, भाजपा नेता सुनील गालव, अजीत सिंह, जयेश गालव, महावीर सिंह हाड़ाँ, प्रदीप मेरोठा, पूर्व उप जिला प्रमुख राजकुमार नागर, मुकेश केरवालिया, महावीर नामा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित नागर, ओ बी सी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नागर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश हाड़ाँ, जिला सह प्रवक्ता योगेश राजोरा, बारां शहर अध्यक्ष ओपी पारेता, देहात अध्यक्ष अमरदीप केदाहेड़ी कवाई मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र हाडा, अटरु मंडल अध्यक्ष पवन गंदोलिया, युवा मोर्चा जिला महामंत्री गोविंद यदुवंशी सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता, पदाधिकारी, पार्षद, पंचायत समिति सदस्य मौजूद रहे।

रोजगार सहायता शिविर में उमड़ा युवाओं का सैलाब

-703 युवाओं का मौके पर हुआ प्राथमिक चयन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय सवाई माधोपुर द्वारा शुक्रवार को शहीद कैप्टन रिपुदमन सिंह राजकीय महाविद्यालय (दक्षिण परिसर) में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में निजी क्षेत्र की 28 प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों ने भाग लिया और मौके पर ही बेरोजगार युवाओं के साक्षात्कार संपन्न किए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा द्वारा रोजगार शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित युवाओं को प्रोत्साहित भी किया। शिविर में कुल 703 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया, जिससे जिले में रोजगार सृजन के प्रयासों को महत्वपूर्ण मजबूती मिली है। इसके साथ ही विभिन्न राजकीय विभागों की स्वरोजगार योजनाओं के 110 आवेदन पत्र शिविर स्थल पर ही तैयार किए गए, जिससे युवाओं को स्वयं के रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने हेतु अवसर प्राप्त हुआ।

साथ ही राजस्थान कौशल एवं राजीविका विकास निगम तथा बड़ौदा स्वरोजगार विकास निगम, सवाई माधोपुर द्वारा 249 युवाओं के प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र भरवाए गए, जिससे युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर भविष्य के रोजगार अवसरों से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। जिला रोजगार कार्यालय के सहायक निदेशक विवेक भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकार के रोजगार शिविर युवाओं को एक ही स्थान पर अनेक अवसर उपलब्ध कराते हैं और जिला प्रशासन भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखेगा।

काजी बिरादरी के होनहार छात्र छात्राओं को सम्मानित करेंगी काजी वेलफेयर सोसायटी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। काजी वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि 7 दिसम्बर 2025 को सीकर में काजी वेलफेयर सोसायटी के द्वारा प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रहे है। जिसके लिए विभिन्न तरह की कमेटियों का गठन किया जा चुका है और सभी अपने अपने तरीके से तैयारियो में लगे हुए हैं। काजी वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश सचिव शिक्षाविद् खादिम हुसैन खत्री ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किये जाने वालो के डाटा कलेक्ट किए जा रहे हैं जिसके लिए जिलेवार संयोजक बनाकर जिले वार जिम्मेदारी दी गई है। चुरू के लिए वरिष्ठ अध्यापक मोहम्मद वसीम अली भाटी और सहसंयोजक मोहम्मद अकरम अध्यापक, झुंझुनूं के लिए तैयुब हुसैन देरवाला संयोजक और मोहम्मद अली बिसाऊ को सहसंयोजक, सीकर के लिए अब्दुल हलीम खत्री को संयोजक और खालिद अली काजी बलोद को सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। इसी के साथ साथ बाकी समस्त जिलों और लिस्ट को एकत्र कर फाइनल लिस्ट बनाने की जिम्मेदारी मुस्तकीम हुसैन तंवर आसलू को दी गई है। सोसायटी के उपाध्यक्ष फिरोज खान ने कहा है कि समाज के अग्रिम पंक्ति के समाज सेवियों और अधिकारी व कर्मचारियो को आगे आकर सम्मान समारोह को सफल बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। काजी वेलफेयर सोसायटी के उपाध्यक्ष अहमद काजी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं में 70% या इससे उपर, और किसी भी पैथी का चिकित्सक, बी फार्मेसी, बी नर्सिंग व राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी,एन सी सी में सी सर्टिफिकेट, स्काउट एवं गाइड में राष्ट्रपति अवार्ड, 1 जनवरी 23 के बाद सरकारी सर्विस में नव नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी, 1 जनवरी 23 के बाद सेवा निवृत्त हुए अधिकारी और कर्मचारी, अल्पसंख्यक पत्रकार, पीएचडी, आइआइटी, आइ आइ एम, युजीसी नेट, जेईई,सेट, नीट,गेट, एआइबीई, एनडीए, एफएमजीई, क्लियर, सीए, आइसीडब्ल्यूए, सीएस क्लियर, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएट में 55 % या इससे उपर अंक प्राप्त करने वाले काजी बिरादरी के छात्र व छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। अन्य डिग्री और डिप्लोमा में 60% या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले आवेदन कर सकते हैं। मौलवी, मुफ्ती, कारी और हाफ़िज़ की सनद लेने वालों को भी प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। सोसायटी के कोषाध्यक्ष रज्जब अली चौहान ने बताया कि आवेदन की अंतिम तारीख 25 नवम्बर 2025 रखी गई है।

गाज़ी-ए-हिंद हज़रत गुलाम हाशमी अशरफ़ी साहब बने मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय एग्जीक्यूटिव मेम्बर

-नई जिम्मेदारियाँ, नए संकल्प — संगठन विस्तार को मिली नई रफ़्तार

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा मोहतरमा रेशमा सोलंकी साहिबा और राष्ट्रीय संरक्षक जनाब सिकंदर पठान साहब ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विस्तार करते हुए गाज़ी-ए-हिंद हज़रत गुलाम हाशमी अशरफ़ी साहब को राष्ट्रीय एग्जीक्यूटिव मेम्बर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। इसी क्रम में जनाब जमील खान साहब को राष्ट्रीय सचिव तथा जयपुर संभाग प्रभारी की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे संगठन की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए हज़रत गुलाम हाशमी अशरफ़ी साहब ने कहा कि मैं मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय नेतृत्व का शुक्रगुज़ार हूँ जिन्होंने मुझे इस ज़िम्मेदारी के क़ाबिल समझा। मेरा उद्देश्य समाज में मोहब्बत, भाईचारा, तालीम और तरक़्क़ी को बढ़ावा देना है। मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन की नीतियों को ज़मीन तक पहुँचाने का प्रयास करूंगा। अल्लाह तआला से दुआ है कि वह हमें कौम और मुल्क की बेहतरी के कामों में कामयाबी बख़्शे। राष्ट्रीय अध्यक्षा रेशमा सोलंकी साहिबा ने दोनों पदाधिकारियों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि मुस्लिम महासभा समाज में तालीम, तंजीम, तिजारत और तरक्की के सिद्धांतों को मज़बूती से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हें विश्वास है कि नई टीम संगठन के मिशन को गति देगी। राष्ट्रीय सचिव जमील खान ने कहा कि वे संगठन द्वारा जताए गए विश्वास पर खरे उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे और समाज के शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुबारकबाद देते हुए नई टीम के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान को लेकर इंसानियत एकता समिति की बैठक संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित भाईजी चौक राणाजी के नोहरे में इंसानियत एकता सेवा समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति द्वारा रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान चलाने व शिक्षा के प्रति जागरूकता मुहिम शुरू करने को लेकर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष अकबर खान ने की। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि समिति की तरफ से दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह से रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत चूरू शहर सहित शेखावाटी के सभी शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर असहाय व जरूरतमंद लोगों को कम्बल व ऊनी वस्त्र वितरित किए जाएंगे। साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर, कोट, जुराब, जूते आदि भी वितरित किए जाएंगे। सहायक सचिव डॉ. शाहरुख खान आसलसर ने बताया कि समिति की ओर से शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सामाजिक कुरीतियों और शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची के खिलाफ मुहिम चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष महमूद अली राणा, उपाध्यक्ष अध्यापक वसीम अली, सहायक सचिव डॉ. शाहरुख खान आसलसर, मो.रफीक राजगढ़िया, गुलाम हुसैन गौरी, सुलेमान मनीहार, नौशाद खान, अयूब खान, हनीफ खान, दानिश पठान, समीर खान आदि समिति के पदाधिकारीगण मौजूद रहे। संचालन मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने किया व्यवस्थापक जाफर खान ने सभी का आभार जताया।

एस.आई.आर मे श्रैष्ठ कार्य पर ई.आर.ओ ने किया बी.एल.ओ का सम्मान

-लक्ष्य निर्धारित तो सफलता अवश्य - राणावत

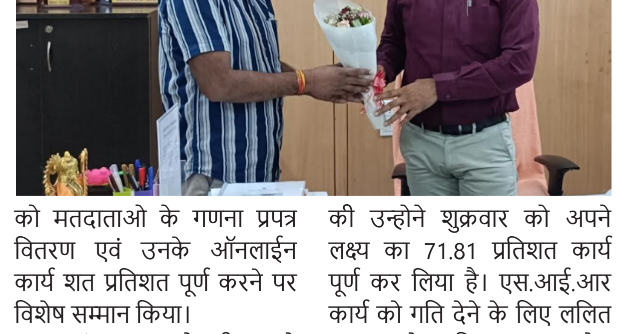

पाली (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पाली (118) मे मे चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को शत: प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले कार्मिको का पाली ई.आर.ओ. कार्यालय मे सम्मान किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि निर्वाचन विभाग की ओर चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम एक निश्चित समयावधि का कार्य है। जिसे सभी बूथ लेवल अधिकारी बखूबी अंजाम दे रहे है। बी.एल.ओ निर्वाचन विभाग की एक महत्वपूर्ण कडी है। यदि वे अपना लक्ष्य निर्धारित करे तो अवश्य ही उन्हे सफलता मिलेगी। इस दौरान उन्होने निर्वाचन क्षेत्र के भाग संख्या 4 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूरियासनी मे कार्यरत बी.एल.ओ. रूप सिंह गोयल को मतदाताओ के गणना प्रपत्र वितरण एवं उनके ऑनलाईन कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करने पर विशेष सम्मान किया।

भाग संख्या 131 के बी.एल.ओ ने भी की कडी मेहनत: निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी राणावत ने बताया के शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मे कार्यरत भाग संख्या 131 के बी.एल.ओ जगपाल सिंह ने भी गणना पत्रो के डिजिटलाईजेशन मे कडी मेहनत की उन्होने शुक्रवार को अपने लक्ष्य का 71.81 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है। एस.आई.आर कार्य को गति देने के लिए ललित कुमार दवे, अनिल नामा, ओम प्रकाश कुमावत, कल्याण सिंह टेवाली,रमेश अणकिया, सुरेश व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार,राजेश कुमार सैन, सवाई सिंह राजपुरोहित, भवानी सिंह, लोकेश दवे, मनोज कुमार रांगी,पारसराम,सुरेश चौधरी, अनिता पारीक आदि जुटे हुए हैं।

खिदमत-ए-खल्क ने एस आई आर के फार्म भरवाने में किया सहयोग

पाली (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में खिदमत-ए-खल्क के आरिफ मोयल, सालिक अख्तर, इमरान बेलिम ने एस आई आर के फार्म भरवाने में लोगों का सहयोग किया तथा एस आई आर के बारे में लोगों को जागरूक कर बी एल ओ को सहयोग करने का लोगों से आह्वान किया।

नेत्रदान बना मातृ-सेवा का अंतिम उपहार

-कांता देवी अजमेरा के परिवार ने शोक में भी मानवता की अनोखी मिसाल पेश की

बारां (रॉयल पत्रिका)। गहरी रात में जब 82 वर्षीय श्रीमति कांता देवी अजमेरा, धर्मपत्नी स्व. चाँदकुमार अजमेरा ने अंतिम सांस ली, तब उनके परिवारजनों ने शोक के अंधकार को मानवता की रोशनी में बदल दिया। मातृ-वियोग के इस कठिन क्षण में भी परिवार ने उनका नेत्रदान करवाकर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण स्थापित किया।

स्व. कांता देवी के परिवार के वी.सी. जैन, पुत्र प्रवीण अजमेरा, नवीन अजमेरा, तथा परिवार सदस्य प्रिया अजमेरा और सीमा अजमेरा ने मध्य रात्रि में ही भारत विकास परिषद के माध्यम से शाइन इंडिया फाउंडेशन से संपर्क किया। सूचना प्राप्त होते ही कोटा से शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ पहुँचे और पूरी नेत्रदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। यह परिवार इससे पूर्व भी नेत्रदान की महान परंपरा निभाता आया है।

नेत्रदान की प्रक्रिया के दौरान

पराग टोंग्या, मनीष गोधा, रूपेश जैन सहित अनेक परिषद सदस्य उपस्थित रहे।

शाइन इंडिया फाउंडेशन के जिला संयोजक हितेश खंडेलवाल ने कहा कि

"शहर में नेत्रदान के प्रति जागरूकता निरंतर बढ़ रही है। किसी के जीवन में नेत्रज्योति बनकर लौटना यह मानवता का अतुलनीय उपहार है। प्रत्येक व्यक्ति को इस सेवायज्ञ में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।"

भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नरेश खंडेलवाल ने बताया कि परिषद जिले के सभी नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष आयोजन की तैयारी कर रही है।

उन्होंने कहा "नेत्रदान करने वाले परिवार समाज के लिए प्रेरणादायी होते हैं। हम चाहते हैं कि जिन व्यक्तियों को इन नेत्रों से दृष्टि मिली है, उन्हें भी समाज के सामने लाकर एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया जाए।"

कांता देवी अजमेरा के परिवार की यह सेवापूर्ण पहल समाज को यह संदेश देती है कि

"मनुष्य की पहचान उसके जाने से नहीं, बल्कि उसके द्वारा छोड़ी गई रोशनी से होती है।"

मोदी वर्ल्ड स्कूल निदेशक आकाश मोदी प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एज्यु आइकन अवार्ड 2025 से सम्मानित

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। मोदी वर्ल्ड स्कूल विज्डम सिटी के लिए गौरव का क्षण रहा जब स्कूल के निदेशक आकाश मोदी को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में इंटरनेशनल एज्यु आइकन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान एनुअल इंटरनेशनल प्रदर्शनी एंड कॉन्फ्रेंस डीआईडीएसी इंडिया द्वारा प्रदान किया गया, जिसे शिक्षा जगत में अत्यंत प्रतिष्ठित माना जाता है। जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा ने बताया कि यह प्रतिष्ठित सम्मान आकश मोदी को एक दूरदर्शी और प्रेरणादायी तथा शिक्षा के युवा नेतृत्व के रूप में उनके दीर्घकालिक समर्पण, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है, आकाश मोदी ने अपने विज़न से शिक्षा में आधुनिक तकनीक को अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा को नई दिशा और ऊँचाई प्रदान की है। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में नित नए नवाचार, आधुनिक पारम्परिक शिक्षा एवं जीवन मूल्यों का नवीन शिक्षा पद्दति में समावेश करने, हमेशा नवाचारों को शिक्षा में लागू करने एवं समय के साथ उनमे परिवर्तन करने तथा साथ ही शिक्षा में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए सम्मानित किया गया है।

उनकी इस विशिष्ट उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती नीरजा मोदी, डायरेक्टर गरिमा मोदी,छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, प्रिंसिपल डॉ. रवि शंकर शर्मा, वाइस प्रिंसिपल श्रीमती सरोज सिंह, हैड मिस्ट्रेस श्रीमती उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा तथा एडमिनिस्ट्रेटर कमलेश कुलहरि सहित समस्त मोदी वर्ल्ड स्कूल परिवार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र की शादी का कार्ड बना चर्चा का विषय

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र श्रेयांश की शादी का कार्ड चर्चा का विषय बना हुआ है। यह कार्ड फिजुलखर्ची नहीं करने का संदेश दे रहा है। कार्ड की फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है लोगों द्वारा इसकी खुब प्रसंशा की जा रही है। यह शादी में राजस्थान के पाली जिले में 30 नवंबर को आयोजित होने जा रही है जिसमें कई वी आई पी मेहमान पाली पहुंचेंगे। शादी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल सहित कई केन्द्रीय मंत्री और प्रदेशस्तरीय नेताओं के शामिल हो सकते हैं। बड़े नेताओं के आने की संभावना को देखते हुए पाली में स्पेशल हेलीपैड तैयार हो रहें हैं।

अजमेर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम में नए अध्याय की शुरुआत, मिलेगी 100 ई-बसों की सौगात

-विधानसभा अध्यक्ष ने लिया डिपो निर्माण का जायज़ा, 15 करोड़ की लागत आएगी

-तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा हो निर्माण- वासुदेव देवनानी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर शहर सहित जिले में विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप प्रदूषण रहित ट्रांसपोर्ट सिस्टम के नए अध्याय की शुरूआत हो चुकी है। राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप अजमेर शहर व जिले के लिए 100 नई ई-बसे शुरू की जाएगी। इसके लिए नौसर घाटी में ई-बस डिपो करीब 15 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह ई-बसे अजमेर शहर सहित विभिन्न रूटों पर यात्रियों को प्रदूषण रहित सस्ती आवागमन सुविधा उपलब्ध कराएगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अंतर्गत नौसर घाटी स्थित प्राइवेट बस स्टैंड पर प्रस्तावित बस डिपो निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण प्रगति, गुणवत्ता और समय सीमा का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्यों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप तीव्र गति से पूरा करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार ने बजट घोषणा में अजमेर के लिए 30 ई-बसो की घोषणा की थी। देवनानी ने प्रयास कर ई-बसो की स्वीकृति को 50, फिर इस स्वीकृति को 100 करवाया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने डिपो के लिए स्वीकृत कार्यों में शामिल बहु मंज़िला प्रशासनिक ब्लॉक, स्टोर ब्लॉक, मेंटेनेंस ब्लॉक, वॉशिंग बे सहित जीएसएस, ओएचएसआर, ईटीपी, पार्किंग एवं 100 बसों के लिए चार्जिंग सुविधा के विकास की प्रगति की जानकारी ली। जीएसएस से जुड़े ट्रांसफॉर्मर, केबल और अन्य सामग्री की आपूर्ति एवं इंस्टालेशन की प्रक्रिया भी जारी है। देवनानी ने निगम अभियंताओं को सिविल वर्क, इलेक्ट्रिकल पैनल निर्माण तथा 33 केवी एवं 11 केवी प्रसारण लाइन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता पर समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी से पर्याप्त कार्मिक एवं संसाधन लगाने को कहा। इससे मार्च माह तक बस संचालन की सभी तैयारियाँ पूर्ण की जा सकेंगी। उन्होंने बसों की आपूर्ति समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए बस निर्माण कंपनियों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रस्तावित रूट चार्ट पर चर्चा करते हुए कहा कि रूट निर्धारण आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेकर ही अंतिम रूप दिया जाए। इससे शहर के अधिकतम हिस्से को ई-बस सेवा से जोड़ा जा सकेगा।

डॉक्टर ने सीखा परिगणना प्रपत्र ऑनलाइन भरना

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर लोक बंधु द्वारा गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण हेतु जागरूकता अभियान संचालन में विभिन्न नवाचार आयोजित किया जा रहे हैं। इस क्रम में जिला स्वीप समन्वयक रामविलास जांगिड़ ने एसआईआर के गणना प्रपत्र को ऑनलाइन भरने की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि उक्त प्रपत्र को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से स्वयं मतदाता भी भर सकता है। मौके पर ही उपस्थित संभागियों ने ईएफ को ऑनलाइन करने का कार्य किया। प्रशिक्षण में जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर में प्रिंसिपल डॉ. अनिल सामरिया, डॉ. सुनील कुमार माथुर, डॉ. श्याम भूतड़ा, डॉ. गरिमा बाफना, डॉ. दीपा थदानी, डॉ. हमेश्वर, डॉ. अरविंद खरे, डॉ. अंकित कुमावत सहित 390 प्रशिक्षणार्थी डॉक्टर्स को ईएफ ऑनलाइन करने संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज कायड़ अजमेर में डॉ. रमाकांत शर्मा प्रिंसिपल, डॉ. कमलेश पारीक, डॉ. अशोक सहित 210 से अधिक स्टाफ एवं विद्यार्थियों, सिविल डिफेंस कार्यालय अजमेर में 220 डिफेंस कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने गणना प्रपत्र को ऑनलाइन भरा। इस अवसर पर वर्ष 2002 में वोटर लिस्ट से अपना नाम ढूंढने से संबंधित ऑनलाइन स्थिति को समझाया। रिटायर्ड आरएएस अधिकारी सुरेश सिन्धी ने प्रशिक्षण में भागीदारी देते हुए बताया कि मतदाता को उनके मोबाइल के माध्यम से 2002 की मतदाता सूची में मतदाता के नाम को खोजना, एसआईआर फॉर्म को ऑनलाइन करना, भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न एप्लीकेशंस को उपयोग में लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे आवश्यक है। स्वीप सदस्य मधु माहेश्वरी, महेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही गणना प्रपत्र की हार्ड कॉपी पर नवीनतम रंगीन फोटो के वर्ष 2002 की मतदाता सूची के आधार पर एवं उक्त वर्ष में स्वयं के अथवा माता-पिता या दादा-दादी की वोटर आई डी के नम्बर, आधार कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर आदि के माध्यम से भी दी जा सकती है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी बाड़ी ने दिया एसआईआर के कार्यों का प्रजेन्टेशन

-मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की वर्चुअल माध्यम से जिले के एसआईआर कार्य की सराहना

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में 4 नवम्बर से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के कार्य की प्रगति समीक्षा मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने वर्चुअल माध्यम से बूथ लेवल अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरित कर मतदाताओं की जानकारी भरवाकर उनको डिजिटाईजेशन कार्य में अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रदेश में टॉप 10 में शामिल हुए 77-बसेड़ी विधानसभा एवं 78-बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों से रूबरू होकर किए गए कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी भगवत शरण त्यागी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को वर्चुअल माध्यम से बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी के निर्देशन में विभागीय निर्देशों की पालना में एसआईआर के कार्य को प्रारंभ से ही गंभीरता से लिया गया। एसआइआर नोटिफिकेशन से पहले ही बीएलओ को इस कार्य के प्रति सक्रिय रखा हुआ था तथा कार्यालय से इन्हें वांछित सहयोग प्रदान किया जाता रहा जैसा कि हमारी मैपिंग 76.92 एवं 74.85 प्रतिशत हो चुकी है। इससे बीएलओ कार्य व प्रक्रिया से भली भाँति अवगत कराया। बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को एसआइआर प्रशिक्षण में अधिकतम समय स्वयं भी उपस्थित रहकर एसआइआर एवं निवार्चन संबंधी कार्यों की प्रक्रिया एवं गंभीरता के बारे में अवगत कराया गया। प्रयास किया गया कि इनके प्रत्येक शंका का समाधान किया जाएं। ईएफ प्रिन्ट हो कर आने के पश्चात इनका बीएलओ को वितरण करने में अनावश्यक समय व्यतीत नहीं किया गया। एईआरओ के निर्देशन में सुपरवाईजर्स के जरिये बीएलओ को अविलम्ब ईएफ प्रदान कर उसी दिन फील्ड में रवाना किया और इनके वितरण के पर्यवेक्षण के लिए हम ईआरओ, एईआरओ फील्ड विजिट करते हुए इन्हें गाईड और मोटिवेट करते रहे। सुपरवाईजर्स की भी बैठक लेकर उन्हें वितरण में न्यून प्रगति वाले बीएलओ की मॉनिटरिंग व हेल्प के लिए निर्देशित किया। सुपरवाईजर को निर्देशित किया कि वे अपने बीएलओ के कार्य की दिन में एक बार प्रगति संकलित कर कार्यालय के ग्रुप पर सेन्ड करेंगे। इससे सुपरवाईजर्स की सक्रियता और बीएलओ पर पकड़ मजबूत बनी। नगर पालिका एवं ग्रामीण क्षेत्र में दक्ष कार्मिकों की हेल्प डेस्क टीम गठित कर दी जिससे कि शहरी क्षेत्र के बीएलओ किसी भी हेल्प के लिए अथवा फॉर्म डिजिटाइज्ड में इनका सहयोग ले सके। एसआईआर की गंभीरता को देखते हुए शुरू से ही जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मीडिया कवरेज पर भी ध्यान दिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अच्छा कार्य करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एसआईआर के कार्य में लगाए गए सभी कार्मिकों द्वारा किए गए सहयोग से ही जिला टॉप 10 में शामिल हुआ है। इसी लगन एवं मेहनत से एसआईआर के कार्य को करते हुए इसको सफल बनाए।

केशवरायपाटन ईआरओ ने किया मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा केशवरायपाटन ऋतुराज शर्मा ने विधानसभा केशवरायपाटन में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत भाग संख्या 252 के.पाटन, 290 रोटेड़ा, 277 हांड़याखेड़ा, 278 से 284 तक कापरेन के बूथ लेवल अधिकारियों के कार्यों का निरीक्षण किया। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र मतदाताओं से भरवाकर प्राप्त करने और गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्यों का निरीक्षण कर उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों को पूर्ण गंभीरता से कार्य करने के लिए कहा तथा बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिए जिनकी कार्य प्रगति कम है वह विशेष ध्यान देकर गंभीरतापूर्वक कार्य करें। साथ ही सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि सुपरवाइजर फील्ड में रहे और अपने अधीन आने वाले बूथ लेवल अधिकारियों के कार्य की मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करें। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में गत पुनरीक्षण कार्यक्रम 2002 से मतदाताओं की वंशावली जोड़ते हुए मैपिंग की जा रही है यदि किसी मतदाता का नाम 2002 की वोटिंग लिस्ट में नहीं है तो उनके माता-पिता या दादा दादी से मैपिंग की जाए इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी गणना फॉर्म घर-घर जाकर दो प्रति में देगा व मतदाताओं को फॉर्म भरने में मदद करेगा। एक फॉर्म की प्रति बूथ लेवल अधिकारी स्वयं रखेगा और एक प्रति मतदाता को देगा। बूथ लेवल अधिकारी भरे हुए फॉर्म लेकर उसको इसीआईनेट पर अपलोड कर डिजिटाइज करेगा। मतदाताओं से यह अपेक्षा की गई है कि वह फॉर्म में सही-सही जानकारी भरें।

ग्रामीण सेवा शिविर-2025 सफलता की कहानी

-शिविर में नाम का किया शुद्धिकरण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने हेतु ग्रामीण सेवा शिविर अभियान 2025 के तहत शिविर का आयोजन गुरूवार को ग्राम पंचायत बखताना पंचायत समिति श्रीगंगानगर में किया गया। शिविर के दौरान राजस्व रिकॉर्ड शुद्धि के आवेदन प्राप्त हुए। प्रार्थी श्रवण कुमार पुत्र नरसीराम निवासी मिर्जेवाला ने प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी कृषि भूमि चक 11 क्यू खाता संख्या 97/41 में संवहन रहननामा 6(1) दस्तावेज से अधिक दर्ज हो गया है, जिसे शुद्ध किया जावे। प्रार्थी सतपाल पुत्र चेतन राम जाति नायक निवासी बखताना ने प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी कृषि भूमि चक 9 क्यू खाता संख्या 84/54 में उसका नाम गलत दर्ज है, जिसे शुद्ध किया जावे। प्रार्थी अमरसिंह सिंह पुत्र शिवलाल निवासी 11 क्यू ने प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी कृषि भूमि चक 11 क्यू खाता संख्या 99/27, 29/24, 10/33 तथा 26/59 में पिता का नाम श्योलाल अंकित है। प्रार्थी के आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं राशनकार्ड में शिवलाल दर्ज है। प्रार्थी ने अन्य दस्तावेजों अनुसार जमाबंदी में शुद्धि हेतु निवेदन किया। उक्त प्रार्थना पत्रों में पटवारी हलका शबनम से रिकॉर्ड, अन्य दस्तावेजों और काश्तकारों के पहचान संबंधी रिपोर्ट प्राप्त की गई। जांच रिपोर्ट में सही पाए जाने पर शिविर सहप्रभारी आदराम नायक नायब तहसीलदार मिर्जेवाला ने शिविर में ही रिकॉर्ड शुद्धि के आदेश जारी किए। अतिरिक्त ऑफिस कानूनगो हरजिंदर सिंह द्वारा उक्त आदेश दर्ज कर शिविर में ही पटवारी हलका को राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करने हेतु प्रेषित किए गए। शिविर में हाथों-हाथ रिकॉर्ड शुद्धिकरण आदेश होने पर काश्तकारों को बहुत खुशी हुई। उन्होंने ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 4.5 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ बैंक कॉलोनी वाला पुलिस लाइन चौराहा क्षेत्र में गुरूवार को किया। उन्होंने राम भवन से कलक्टर निवास होकर पुलिस लाइन चौराहा तक 57 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्य तथा पीडब्ल्यूडी कार्यालय से नवीन जिला न्यायालय भवन तक 22 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। दोनों सड़कें सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित की जाएगी। इससे क्षेत्र की यातायात सुविधा और सुगम होगी। इसी क्रम में देवनानी ने रियान स्कूल के पास महाराणा प्रताप नगर स्थित क्षतिग्रस्त नालों के पुनर्निर्माण कार्य का भी शुभारम्भ किया। यह निर्माण कार्य 3 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा करवाया जाएगा। नालों के निर्माण से क्षेत्र में जलभराव की समस्या दूर होगी तथा स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाएँ प्राप्त होंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि महाराणा प्रताप नगर सहित पूरे शहर में आधारभूत विकास कार्यों की गति लगातार तेज हो रही है। सड़कों, नालों, पेयजल, विद्त और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए करोड़ों रुपये के कार्यों को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि शहर में ड्रेनेज व्यवस्था को सशक्त करने के लिए करोड़ों की लागत से नाले बनाए जा रहे हैं तथा अनेक सड़क परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। देवनानी ने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए तीन बड़े रिज़र्वयिरों का निर्माण प्रस्तावित है। इससे शहरवासियों को पर्याप्त और नियमित पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि विद्त आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए हाथीभाटा में 132 केवी जीएसएस का निर्माण किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार विकास कार्य किए जा रहे है। कोटड़ा क्षेत्र में 50 बेड का सैटेलाइट चिकित्सालय स्थापित किया गया है तथा जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने के लिए स्पीकर हेल्प डेस्क लगातार सहायता प्रदान कर रही है। पर्यटन विकास को लेकर उन्होंने कहा कि अजमेर में प्रस्तावित लेपर्ड सफारी शहर को एक नया पर्यावरणीय पर्यटन स्थल प्रदान करेगी। साथ ही वरुण सागर झील के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसमें चेटीचंद से पूर्व वरुण देव की मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए बहुमंजिला लाइब्रेरी, तथा अजमेर में प्रवेश करते समय सुंदर अनुभव प्रदान करने के लिए नए प्रवेश द्वार का निर्माण भी शहर के व्यापक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी योजनाओं के पूरा होने से अजमेर शहर की कायापलट होगी और यह शहर अधिक सुंदर, स्वच्छ और श्रेष्ठ बनकर उभरेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से इस विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया।

एसआईआर के प्रति इलेक्शन आइकॉन ने आमजन को किया जागरूक

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राजस्थान में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। इसी के अंतर्गत जन चेतना गतिविधियों के क्रम में जिला इलेक्शन आइकॉन डॉ सर्वेश तिवारी ने मतदाताओं को अभियान के प्रति जागरूक किया एवं जिले के इलेक्शन केंपस एम्बेसडर को इस कार्य के प्रति उनकी भूमिका से परिचित करवाया। शहर के कागजी देवरा क्षेत्र से शुरुआत करते हुए इलेक्शन आइकॉन डॉ सर्वेश तिवारी ने पर्यवेक्षक सोहन लाल कुम्हार के सानिध्य में बूथ लेवल ऑफिसर, गुलाम मुस्तफा व साहिर हुसैन अंसारी के साथ जागरूक मतदाता से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के संबंध में परिचर्चा की व अभियान के बारे जानकारी दी। तिवारी ने अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन, शुद्ध और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक न छूटे और अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न रहें। शिक्षित जागरूक मतदाताओं का आव्हान करते हुए उन्होंने कहा कि वे अन्य मतदाताओं तथा बीएलओ का इस कार्यक्रम में सहयोग करें। जिले में एसआईआर के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। इस पुनरीक्षण में 2002 की मतदाता सूचियों के आधार पर निर्वाचक मेपिंग की जा रही हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 बीएलओ हुए सम्मानित सोकिन्दा मीणा हुए राज्य स्तर पर भी सम्मानित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 बीएलओ को गुरूवार को सम्मानित किया गया। इनमें से केकड़ी विधानसभा क्षेत्र के सोकिन्दा मीणा का सम्मान राज्य स्तर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए हुआ। इन्हें सम्भागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ज्योति ककवानी तथा अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र तथा उपहार प्रदान किए गए। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी वीसी कक्ष में इनका सम्मान हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन वीसी के माध्यम से जुड़े रहे। अजमेर जिले की केकड़ी तथा किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 3-3 बीएलओ द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया था। इनके द्वारा क्षेत्र में शत प्रतिशत कार्य किया गया है। बीएलओ सोकिन्दा मीणा अध्यापक भाग संख्या 54 विधानसभा क्षेत्र केकड़ी ने मतदान केन्द्र के समस्त शत प्रतिशत 719 मतदाताओं के परिगणना प्रपत्र को बीएलओ एप्प के माध्यम से डिजिटाईड कर दिया है। केकड़ी के ही भाग संख्या 36 के बीएलओ संजय कुमार मीणा एवं भाग संख्या 44 के बीएलओ मंजू कुमारी का भी उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मान किया गया। इसी प्रकार किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भी 3 बीएलओ जिला स्तर पर सम्मानित हुए। इनमें भाग संख्या 216 के बीएलओ बाबूलाल शर्मा, भाग संख्या 249 के बीएलओ भागचन्द जाट, सुपरवाईजर तथा भाग संख्या 259 के बीएलओ सांवर लाल जाट के द्वारा भी का बेहतरीन कार्य करने पर सम्मान हुआ। इस अवसर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी गरिमा नरूला एवं नरेन्द्र कुमार मीणा तथा अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त दीप्ती शर्मा सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसआईआर कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 4 बीएलओ हुए सम्मानित

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। निर्वाचन विभाग राजस्थान द्वारा जिले के 78-विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के 4 बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रारंभ की अवधि में ही मतदाताओं के परिगणना प्रपत्रों को शतप्रतिशत डिजिटाइज कर राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उल्लेखनीय योगदान करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी द्वारा सम्मानित और प्रोत्साहित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समस्त कार्मिक राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूर्ण गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में कई बीएलओ द्वारा ईएफ वितरण और डिजिटाइजेशन में शत-प्रतिशत कार्य करने पर उनको सम्मानित किया गया है। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने 78-बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 247 के की बीएलओ दुर्ग सिंह, भाग संख्या 153 के बीएलओ रवि कुमार, भाग संख्या 22 के बीएलओ दिनेश कुमार एवं भाग संख्या 9 के बीएलओ प्रमोद कुमार को सम्मानित और प्रोत्साहित किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीएलओ से आह्वान किया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र के अन्य बीएलओ का उक्त कार्यों में सहयोग करें। सभी मिलकर कार्य करेंगे तो जिले में एसआईआर कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र 77-बसेड़ी में 1 लाख 35 हजार 418, 78-बाड़ी में 1 लाख 65 हजार 299, 79-धौलपुर में 1 लाख 16 हजार 66 तथा 80-राजाखेड़ा में 1 लाख 2 हजार 446 कुल 5 लाख 19 हजार 229 ईएफ 56.57 प्रतिशत को डिजिटाईड किया गया है। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी हरिराम मीना, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी भगवत शरण त्यागी, कर्मवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलगुरु ने कृषि विज्ञान केंद्र का किया अवलोकन

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी पर कृषि विश्वविद्यालय कोटा की कुलगुरु प्रो. विमला डूंकवाल ने गुरुवार को भ्रमण किया। सर्वप्रथम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. नीरज हाड़ा व कीट वैज्ञानिक डॉ. हरीश वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् केन्द्र के समस्त वैज्ञानिकों के साथ केन्द्र की विभिन्न जीवन्त इकाईयों का अवलोकन कर सम्बन्धित वैज्ञानिकों को अपनी इकाईयों में आवश्यक सुधार करने के सुझाव दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्र पर मातृ वृक्ष इकाई में हल्दी लगाकर अन्तःशस्य करने की सलाह दी। केन्द्र की डेयरी इकाई में उत्पादित हो रहे दूध का मूल्य संवर्धन कर केन्द्र की आय बढ़ाने पर जोर दिया। केन्द्र के प्रक्षेत्र के भ्रमण के दौरान फव्वारा पद्धति से सिंचाई कर जल के समुचित उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सीड हब के अन्तर्गत किसानों की सहभागिता से अधिक से अधिक बीज उत्पादन कर जिले में बोयी जाने वाली फसलों की उन्नत किस्मों का बीज किसानों को उपलब्ध करवाया जायें। निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर संचालित सभी जीवन्त इकाईयों एवं केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की गई। निरीक्षण के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. नीरज हाड़ा, कीट वैज्ञानिक डॉ. हरीश वर्मा, फार्म मेनेजर महेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक डॉ. दीपक कुमार, विकास ताखर, लोकेश प्रजापत, विजेन्द्र कुमार वर्मा व किसान रामप्रसाद मौजूद रहें।

रेजांग ला जंग की 63वीं बरसी पर सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी ने देखी एक्सल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज की फिल्म '120 बहादुर' की स्पेशल स्क्रीनिंग, दिल से की सराहना

दिल्ली में 120 बहादुर की एक खास स्क्रीनिंग चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, PVSM, AVSM के लिए रखी गई थी। यह स्क्रीनिंग रेज़ांग ला की लड़ाई की 63वीं बरसी की पूर्व संध्या पर हुई। इस कार्यक्रम में ब्रिगेडियर, मेजर जनरल, सेना के अफसर और उनके परिवार शामिल हुए, और इसका आयोजन 120 बहादुर के मेकर्स ने किया था। शाम पूरी तरह बहादुर सैनिकों की वीरता को सम्मान देने वाली रही, और इसी दौरान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल द्विवेदी, PVSM, AVSM ने कुछ दिल से निकले शब्द साझा किए कि यह फिल्म उन्हें कैसे छू गई। उन्होंने रेज़ांग ला के सैनिकों को दिए गए इस भावुक श्रद्धांजलि की सराहना की। 120 बहादुर में 1962 की रेज़ांग ला की लड़ाई में डटे रहे 120 भारतीय सैनिकों की अद्भुत बहादुरी को जीवंत किया गया है। फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी का किरदार निभा रहे हैं, जो अपने जवानों को भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे बड़ी और वीरतापूर्ण लड़ाइयों में से एक में नेतृत्व देते हैं। आज से देशभर में पेड प्रीव्यू शुरू हो गए हैं और लोग जिस तरह मुंह से तारीफ़ कर रहे हैं, उससे फिल्म को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। ऐसे बता दें कि इस फिल्म के दिल में एक दमदार पंक्ति गूंजती है: 'हम पीछे नहीं हटेंगे।' यह पंक्ति अडिग संकल्प और अटूट देशभक्ति को दर्शाती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश 'रेज़ी' घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

श्रिया सरन

के साथ हो गया बड़ा कांड!

मच गया बॉलीवुड इंडस्ट्री में हड़कंप

फ़ॉलोअर्स ने श्रिया सरन को धोखेबाज़ को नज़रअंदाज़ करने या मामले की सूचना अधिकारियों को देने की सलाह दी। एक यूज़र ने सुझाव दिया, 'आप इस पर ध्यान क्यों दे रही हैं? बस इससे बचें,'जबकि एक अन्य ने सलाह दी, 'मैडम कृपया यह नंबर साइबर क्राइम को साझा करें या शिकायत दर्ज करें और वे इसका ध्यान रखेंगे।'अभिनेत्री श्रिया सरन ने अपने अनुयायियों को व्हाट्सएप पर उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल करके लोगों से संपर्क करने वाले एक व्यक्ति के बारे में सचेत किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के माध्यम से सार्वजनिक रूप से अपील की, स्क्रीनशॉट साझा किए और फर्जीवाड़ा करने वाले से ऐसा न करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि यह धोखेबाज न केवल अनजान लोगों से संपर्क कर रहा था, बल्कि उन लोगों से भी संपर्क कर रहा था जिनकी वह प्रशंसक हैं, जिससे चिंता बढ़ गई है। इंस्टाग्राम पर अपने अनुयायियों को संबोधित करते हुए, श्रिया ने लिखा, 'कृपया लोगों को पत्र लिखना और समय बर्बाद करना बंद करें।' उन्होंने फर्जी नंबर का एक स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया और अपने अनुयायियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने बेटे का नाम किया रिवील

दिल छू लेने वाली तस्वीरें भी शेयर की

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और उनके पति राघव चड्ढा ने अपने नवजात बेटे के साथ प्यारी तस्वीरें साझा करते हुए उसका नाम 'नीर' रखा है। उन्होंने यह नाम एक संस्कृत वाक्य, 'जलस्य रूपम्, प्रेमस्य स्वरूपम् - तत्र एव नीर' के साथ साझा किया और बताया कि 'नीर' का अर्थ शुद्ध, दिव्य और असीम होता है। तस्वीरों में कपल अपने बच्चे के छोटे पैरों को चूमते और प्यार करते हुए दिखाई दे रहा है। कपल ने अपने बेटे का नाम 'नीर' रखा है। इस नाम को साझा करते हुए, उन्होंने एक खूबसूरत संस्कृत वाक्य लिखा, 'जलस्य रूपम्, प्रेमस्य स्वरूपम् - तत्र एव नीर।' इसके साथ ही, परिणीति और राघव ने 'नीर' नाम का अर्थ भी बताया। उन्होंने लिखा, 'हमने उसका नाम 'नीर' रखा है, जिसका मतलब है शुद्ध, दिव्य और असीम।'

कॉमेडी टाइमिंग की क्वीन गुड्डी मारुति ने दिखाई अपने बचपन की फोटो

हिंदी सिनेमा का हंसाने और गुदगुनाने पर मजबूर कर देने वाला चेहरा गुड्डी मारुति सभी को याद होगीं। डायलॉग बोलकर कॉमेडी करना आसान होता है, लेकिन गुड्डी के चेहरे के एक्सप्रेशन ही दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देते थे। बुधवार को गुड्डी ने अपने बचपन की प्यारी सी फोटो फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसे देखकर किसी के लिए भी उन्हें पहचान पाना मुश्किल होगा। कॉमेडी टाइमिंग की क्वीन गुड्डी मारुति ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है और अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है। एक्ट्रेस ने फोटो के कोलाज में एक तरफ अपने बचपन की तो दूसरी तरफ अपनी यंग एज की फोटो पोस्ट की है। बचपन की फोटो में गुड्डी खिलकर मुस्कुराती दिख रही हैं और माथे पर लाल बिंदी भी लगा रही हैं जबकि दूसरी फोटो में वे बहुत शांत और प्यारी लग रही हैं।

द-बैंग: द टूर रीलोडेड, क़तर में दिखा सलमान खान का जलवा!

सलमान खान जिस तरह की स्टारडम का आनंद लेते हैं, वह सचमुच बेमिसाल है। अपनी शानदार स्टाइल, स्वैग और करिश्मे से वह जहाँ भी जाते हैं, महफ़िल लूट लेते हैं। उन्हें दुनिया भर से बेहिसाब प्यार मिलता है और वह उन सितारों में से हैं जिनके पास सबसे वफादार प्रशंसक हैं। बदले में, वह हमेशा अपने फैंस को वही प्यार लौटाते भी हैं। सलमान खान का यही जादू क़तर में द-बैंग: द टूर रीलोडेड तक भी पहुँचा, जहाँ उनके आते ही फैंस दीवाने हो गए और इस विनम्र सुपरस्टार ने भीड़ में से एक बच्चे को उठाकर उसके साथ तस्वीर खिंचवाकर एक प्यारा सा इशारा किया। जैसे-जैसे सलमान खान क़तर में द-बैंग: द टूर रीलोडेड में धमाल मचाते रहे, कार्यक्रम में भारी भीड़ सिर्फ़ एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़ी। यह विशाल भीड़ उनके वैश्विक स्तर पर मौजूद अद्भुत क्राउड-पुलिंग पावर का सबूत है।

मस्ती 4 को डिस्ट्रीब्यूटर्स का जबरदस्त समर्थन, फिल्म 21 नवंबर को भव्य रिलीज़ के लिए तैयार

वेवबैंड प्रोडक्शन की 'मस्ती 4' इस सीज़न की सबसे चर्चित कॉमर्शियल एंटरटेनर्स में तेजी से शुमार हो रही है और इसका उत्साह सिर्फ फैन्स में नहीं, बल्कि पैन-इंडिया डिस्ट्रीब्यूटर्स में भी साफ दिखाई दे रहा है। 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में भव्य रिलीज़ से पहले ही, नॉर्थ से साउथ तक डिस्ट्रीब्यूटर्स स्क्रीन पहले से लॉक कर रहे हैं। खासकर मास ऑडियंस और यूथ में इसकी मजबूत पकड़ को देखते हुए वे फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर ज़बरदस्त कॉन्फिडेंस भी जता रहे हैं। हालांकि इसका सबसे बड़ा श्रेय जाता है 'मस्ती' ब्रैंड और फिल्म की ओरिजिनल स्टारकास्ट रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी को। हंसी, रंग, अफरा-तफरी और मास-फ्रेंडली ह्यूमर की पहचान बन चुकी इस फ्रैंचाइज़ी से मेकर्स और डायरेक्टर मिलाप मिलन जावेरी को पूरा भरोसा है

कि वे आज के कंटेंट-हेवी मार्केट में दर्शकों की मनोरंजन की भूख को पूरा करेंगे। फिल्म को लेकर बढ़ रही एडवांस चर्चा का बड़ा कारण है फ्रैंचाइज़ का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और फैमिली व यूथ ऑडियंस के बीच इसकी ज़बरदस्त रिकॉल वैल्यू। ट्रेलर, किरदारों की मज़ेदार केमिस्ट्री, और फ्रैंचाइज़ में नए जुड़े सितारे, जैसे अर्शद वारसी, तुषार कपूर, शाद रंधावा, नरगिस फाखरी, निशांत मलकानी, और नई लीडिंग लेडीज़ रुही सिंह, श्रेया शर्मा और एल्नाज़ नौरोज़ी ने फिल्म की मार्केट अपील को और मजबूत किया है। ट्रेड की शुरुआती रिपोर्ट्स बता रही हैं कि क्लीन, फन एंटरटेनर्स के प्रति दर्शकों की डिमांड फिर बढ़ रही है और 'मस्ती 4' इस स्लॉट में एकदम फिट बैठती है। कई टेरिटरीज़ में एग्ज़िबिटर्स की जबरदस्त दिलचस्पी देखी जा रही है, जो फिल्म की वाइड और कॉन्फिडेंट रिलीज़ को संकेत देती है। डिस्ट्रीब्यूटर्स के बड़े दांव और दर्शकों की हंसी-मस्ती की भूख को देखते हुए, 'मस्ती 4' आगामी स्लेट की सबसे प्रॉमिसिंग पैन-इंडिया एंटरटेनर्स में उभरने को तैयार है। मिलाप मिलन जावेरी द्वारा लिखित और निर्देशित, 'मस्ती 4' अपने टैगलाइन 'लव वीज़ा' के साथ एक नए, रंगीन और बड़े पैमाने की कॉमिक दुनिया रचने जा रही है। ओजी ट्रायो की शरारती कॉमेडी के साथ फिल्म में है यूके की खूबसूरत लोकेशंस, जो इसे देता है बेहतरीन विजुअल अपील, चमकदार प्रोडक्शन डिजाइन और इसके साथ है मिलाप ज़वेरी की ट्रेडमार्क कॉमिक पंच। वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, मारुती इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी इस फिल्म को ए. झुनझुनवाला, शिखा करण आहूजा, इन्द्र कुमार, अशोक ठकेरिया, शोभा कपूर, एकता कपूर और उमेश बंसल ने प्रोड्यूस किया है।

सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में पहुंचीं ऐश्वर्या राय

पीएम मोदी के पैर छूकर लिया आशीर्वाद बोलीं- केवल एक ही जाति...

आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के मंदिर में जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन रखा गया है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण मौजूद थे। वहीं इस समारोह में एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन भी दिखाई दीं, जहां उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूकर लिया आशीर्वाद, बोलीं- 'केवल एक ही जाति...'एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने पीएम मोदी को कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया और उन्हें श्री सत्य साईं बाबा के विचारों को फॉलो करने वाला बताया। स्टेज से ऐश्वर्या राय बच्चन ने कहा, 'श्री सत्य साईं बाबा की पवित्र जन्म शताब्दी के मौके पर मेरा दिल श्रद्धा और भक्ति से भर गया है। उनके विचारों, अनुशासन, समर्पण और भक्ति से आज भी विश्व भर में लाखों दिलों को बदलने का काम हो रहा है।' ऐश्वर्या राय बच्चन ने पीएम मोदी को सम्मान देते हुए कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज यहां हमारे साथ उपस्थित होने और इस विशेष अवसर का सम्मान करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। मैं आपके ज्ञानवर्धक, प्रभावशाली और प्रेरणादायक शब्दों को सुनने के लिए उत्सुक हूं. पीएम मोदी की उपस्थिति इस शताब्दी समारोह में पवित्रता और प्रेरणा जोड़ती है और हमें सत्य साई के इस संदेश की याद दिलाती है कि सच्चा नेतृत्व सेवा है और मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।'

अंकुर भाटिया पर अपूर्व लखिया का बड़ा बयान

काम नहीं एडवेंचर लगता है इसके साथ काम करना

अपने रियल और कच्चे नैरेटिव के लिए मशहूर फिल्ममेकर अपूर्व लखिया और एक्टर अंकुर भाटिया की क्रिएटिव दोस्ती कोई आज की नहीं है। इसकी शुरुआत हुई थी 2013 की एक्शन ड्रामा जंजीर से, जहाँ अंकुर ने बोस्को का किरदार निभाया था—यहीं से मेनस्ट्रीम सिनेमा और दोनों की भरोसेभरी प्रोफेशनल जर्नी की नींव पड़ी। ये कैमिस्ट्री आगे और गहरी हुई हसीना पार्कर में, जहाँ अंकुर ने इब्राहिम पार्कर का रोल ऐसा निभाया कि हर किसी ने उनकी इमोशनल रेंज और बारीक एक्टिंग की दाद दी। फिर आए क्रैकडाउन, एक दमदार जासूसी वेब शो, जिसमें अंकुर ने तारिक बनकर स्क्रीन पर सच्चाई, टेंशन और रफ़्तार तीनों मिला दीं। अंकुर के साथ कई प्रोजेक्ट्स में काम करने के अपने अनुभव पर अपूर्व लखिया ने बड़े दिलचस्प अंदाज़ में कहा, 'अंकुर उन एक्टर्स में से है जो हर रोल में ऐसे कूद जाता है जैसे कोई नया रोमांचक सफ़र शुरू हो रहा हो—पूरे दिल से, पूरी ईमानदारी से और फुल डेडिकेशन के साथ। मैंने उसे बहुत पैशन और सब्र के साथ आगे बढ़ते देखा है। वो हमेशा सीखने को तैयार, हमेशा बेहतर बनने को बेताब रहता है। हर बार उम्मीद से ज़्यादा देता है—सॉलिड, भरोसेमंद और सेट पर हमेशा शानदार एनर्जी लेकर आता है। उसके साथ काम करना काम जैसा लगता ही नहीं... एक मस्त-सी राइड जैसा होता है! ' जंजीर, हसीना पार्कर और क्रैकडाउन के बाद अब खबरें हैं कि अपूर्व लखिया और अंकुर भाटिया एक बार फिर साथ नज़र आएंगे—इस बार लखिया की नई फिल्म में, जिसमें सलमान खान लीड में हैं। इन दोनों की जमी-जमाई क्रिएटिव ट्यूनिंग और दमदार स्टोरीटेलिंग को देखते हुए, ये आने वाला प्रोजेक्ट उनकी साझेदारी का एक और धमाकेदार अध्याय बनने वाला है।

फरहाना भट्ट

मां को देख छलके के आंसू, पैरों में गिरकर रोईं, रोस्ट हुए घरवाले

बिग बॉस के फैमिली वीक में फरहाना भट्ट की मां की एंट्री ने घर के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। मां-बेटी के मिलन ने सभी घरवालों और फैंस को भावुक कर दिया। फरहाना की मां ने घरवालों को रोस्ट करते हुए हंसी-मजाक का माहौल सेट किया। रियलिटी शो बिग बॉस में फैमिली वीक ने एक्साइटमेंट बनाई हुई है। शो में हर कोई इमोशनल राइड पर है। बिग बॉस फरहाना भट्ट के मां के आने की अनाउंसमेंट करते हैं, वो इमोशनल हो जाती हैं. उनकी मां बेटी को पैंपर करती हैं उन्हें लाड दुलार करती हैं। फरहाना बिग बॉस के अनफ्रीज करने पर मां के पैरों में गिरकर रोने लगती हैं। फिर दोनों मां-बेटी गले लगकर खूब रोती हैं। दोनों का ये मिलन देख सभी घरवालों की आंखें नम हो जाती हैं।

(साभार एजेंसी)

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं...

मैं हमेशा भारत का समर्थन करती हूं : मनु भाकर

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने ढ्ढस्स्न्न विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाज़ी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है। भाकर ने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाते रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो। इस 23 साल की पिस्टल निशानेबाज (महिलाओं को प्रेरित करके खेल जगत में उपलब्धि हासिल करना) के सोशल मीडिया हैंडल के लॉन्च पर बोल रही थी। भाकर ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन इस साल कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इस साल अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतना उनकी बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

युवराज ने पहले राउंड में शानदार 65 का स्कोर बनाकर बढ़त बनाई

डिगबोई (असम), एजेंसी। पीजीटीआई रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे युवराज संधू ने अपने पसंदीदा स्थलों में से एक डिगबोई गोल्फ लिंक्स में वापसी की घोषणा की। उन्होंने शानदार सात अंडर 65 का स्कोर बनाकर 1 करोड़ रुपए इनामी इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स 2025 के पहले राउंड में दो शॉट की बढ़त बना ली। इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स (2021 और 2022) के दो बार विजेता रहे युवराज ने 67 के अपने शुरुआती राउंड में आठ बर्डी और एक बोगी का प्रदर्शन किया, उसी मैदान पर जहां उन्होंने 2021 में अपना पहला पीजीटीआई खिताब जीता था। पांच गोल्फ खिलाड़ी 67 के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। इनमें पूर्व चैंपियन वीर अहलावत (2019), बीस वर्षीय अंशुल कबथियाल, शिवेंद्र सिंह सिसोदिया, युवराज सिंह और बांग्लादेशी मोहम्मद सोमरत सिकदर शामिल थे। इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो इस वर्ष अपनी ऐतिहासिक 25वीं रजत जयंती मना रहा है, भारतीय पेशेवर गोल्फ के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है क्योंकि यह भारतीय घरेलू सर्किट और पीजीटीआई पर सबसे लंबे समय तक चलने वाला टूर्नामेंट है। यह टूर्नामेंट पुरस्कार राशि, हर साल आने वाले मजबूत मैदान, उच्च-स्तरीय खेल परिस्थितियों और उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख पेशेवर गोल्फ आयोजन के रूप में सुस्थापित है। इंडियनऑयल ने इस वर्ष इस आयोजन की पुरस्कार राशि को अब तक के सर्वोच्च 1 करोड़ रुपए तक बढ़ाकर भारतीय पेशेवर गोल्फ के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

साउथ अफ्रीका को दोहरी मार, गुवाहाटी टेस्ट से बाहर होंगे साइमन हार्मर?

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में 30 रनों से हराया था. इस टेस्ट में बावुमा ब्रिगेड ने भारतीय टीम को जीत के लिए महज 124 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन शुभमन ब्रिगेड ये रन भी नहीं बना सकी. नतीजतन अफ्रीकी टीम ने भारत में 15 साल बाद टेस्ट मैच जीत में हासिल की. अब साउथ अफ्रीकी टीम भारत में टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक जीत के कगार पर है. क्योंकि अब गुवाहाटी में होने वाला दूसरा टेस्ट ड्रॉ भी कप्तान टेम्बा बावुमा की टीम को सीरीज जीत दिलाने के लिए काफी होगा. हालांकि उनकी तैयारियों में कुछ खलल भी पड़े हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता टेस्ट के 'प्लेयर ऑफ द मैच' साइमन हार्मर को कंधे की समस्या है, जबकि लेफ्ट-आर्म पेसर मार्को जानसेन जैनसन भी हल्की चोट से जूझ रहे हैं. दोनों खिलाड़ियों ने मंगलवार को कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में मेडिकल टेस्ट करवाए, वही अस्पताल जहां शुभमन गिल का गर्दन का इलाज हुआ था. मेहमान टीम ने ईडन गार्डन्स में शानदार जीत दर्ज करने के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पयनशिप (2025-27) पॉइंट टेबल में भी छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है. उसकी यह जीत भारत में 2010 के बाद उनकी पहली टेस्ट जीत रही.

कोलकाता टेस्ट में बावुमा ने नाबाद 55 रनों की पारी खेली और साइमन हार्मर ने मैच में आठ विकेट हासिल किए. वहीं उन्होंने साउथ अफ्रीका को 1-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई. नियमित कप्तान शुभमन गिल हार्मर ने पहली पारी के 4/30 के बाद दूसरी पारी में 4/21 लेकर अपना कमाल जारी रखा, जबकि केशव महाराज ने दो विकेट झटके और जानसेन जैनसन ने दोनों भारतीय ओपनरों को आउट कर भारत को प्रेशर में डाल दिया था. दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने भारत को संभालने की कोशिश की, सुंदर ने 31 रन बनाए लेकिन एडेन मार्करम ने उन्हें आउट किया, जबकि पटेल की तेज तर्रार 26 रन की पारी महाराज का शिकार बनकर खत्म हुई.

विश्व मुक्केबाजी कपः

प्रीति ने किया बड़ा उलटफेर, ओलंपिक पदक विजेता हुआंग सियाओ वेन को हराया

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में मंगलवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता और तीन बार की विश्व चैंपियन चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ-वेन को प्रीति पवार (54 किग्रा) ने हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुए फाइनल में प्रीति ने अरुंधति चौधरी, मीनाक्षी हुड्डा, अभिनाश जामवाल, अंकुश फंगल, नुपुर श्योराण, नरेंद्र बेरवाल, और परवीन सहित आठ भारतीयों के साथ फाइनल में जगह बनाई। हुआंग सियाओ-वेन के खिलाफ जीत के बाद प्रीति ने कहा, 'मुझे पता था कि वह विश्व चैंपियन हैं, लेकिन विश्व चैंपियन बनने के लिए आपको एक विश्व चैंपियन को हराना होगा। मुकाबले से पहले मेरी यही सोच थी। मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

दर्शकों ने जिस तरह मेरा समर्थन किया, उस वजह से ही जीत दर्ज कर पाई। अरुंधति ने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप के तीनों चरणों की पदक विजेता जर्मनी की लियोनी मुलर को हराया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन और स्ट्रैंड्जा पदक विजेता, अरुंधति, डेढ़ साल के अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। उन्होंने शुरुआती दोनों राउंड में पूरी आक्रामकता के साथ जीत हासिल की और फाइनल में अपनी जगह पक्की की। विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कोरिया की बाक चो-रोंग पर शानदार जीत दर्ज की। दो बार के विश्व मुक्केबाजी कप पदक विजेता अभिनाश (65 किग्रा) ने यूक्रेन के एल्विन अलीएव को हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। नरेंद्र (90+ किग्रा) ने भी कजाकिस्तान के दानियाल सपारबे के खिलाफ अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फाइनल में प्रवेश किया। अंकुश (80 किग्रा) ने अपनी गति और दबाव से ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन को 5:0 से हराया। नुपुर (80+ किग्रा) ने यूक्रेन की मारिया लोवचिन्स्का को हराया। परवीन (60 किग्रा) ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पोलैंड की विश्व मुक्केबाजी कप रजत पदक विजेता रयगेल्स्का अनेटा एल्जबिएटा को 3:2 के कड़े मुकाबले में हराया। स्वीटी बूरा (75 किग्रा) ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, जबकि नवीन का सफर भी कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। चौथे दिन नौ भारतीय खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे, जिनमें दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (51 किग्रा) का मुकाबला उज्बेकिस्तान की गुलसेवर गनीवा से और मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लैम्बोरिया (57 किग्रा) का मुकाबला कजाकिस्तान की उल्जान सरसेनबेक से होगा।

बीसीसीआई ने दिया फिटनेस अपडेट

भारतीय टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे कप्तान शुभमन गिल

मुंबई, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच शनिवार से दूसरे टेस्ट मैच की शुरुआत होगी, जिसके लिए भारतीय कप्तान शुभमन गिल बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। हालांकि, सीरीज के निर्णायक मुकाबले में गिल के खेलने पर अभी तक मुहर नहीं लगी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन में चोट लग गई थी।

दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद निगरानी में रखा गया और अगले दिन छुट्टी दे दी गई। शुभमन को दिए गए उपचार का अच्छा असर हो रहा है। वह 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी पर उसी के अनुसार फैसला लिया जाएगा।' कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के दूसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान गिल चोटिल हुए थे।

भारतीय पारी के 35वें ओवर में साउथ अफ्रीकी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर चौका लगाने के बाद गिल को गर्दन में परेशानी महसूस हुई, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। इसके बाद भारतीय कप्तान मैच में दोबारा बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद गिल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गर्दन में सर्वाइकल कॉलर लगा हुआ था। तीसरे दिन की शुरुआत से पहले बीसीसीआई ने घोषणा कर दी थी कि कप्तान गिल मैच के शेष हिस्से से बाहर हो गए हैं। भारतीय टीम को इस रोमांचक मुकाबले में 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। अब सीरीज बराबरी पर खत्म करने के लिए टीम इंडिया को गुवाहाटी टेस्ट जीतना होगा। इससे पहले अक्टूबर 2024 में गिल गर्दन में अकड़न की समस्या से जूझते नजर आए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले उन्हें यह समस्या हुई, जिसके कारण वह मैच से बाहर हो गए थे। इसी समस्या के कारण गिल जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में भी नहीं खेल सके थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 के दूसरे दौर में प्रणय, आयुष और थारुन

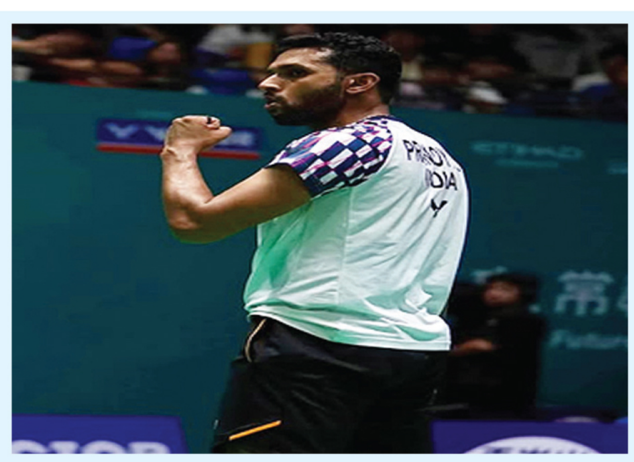

सिडनी, एजेंसी। भारतीय शटलर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 में दमदार प्रदर्शन किया है। एचएस प्रणय, आयुष शेट्टी और थारुन मन्नेपल्ली ने 4,75,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में पहले दौर के कड़े मुकाबलों में जीत हासिल करते हुए पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। 33 वर्षीय एचएस प्रणय शुरुआत में जूझते नजर आए। प्रणय शुरुआती गेम में लय में नजर नहीं आए और दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सॉट मार्सेलिनो से 6-21 से हार गए। इसके बावजूद एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ने संयम बनाए रखते हुए अपने डिफेंस को मजबूत बनाया। उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण रखते हुए 57 मिनट तक चले मुकाबले में अगले दो गेम 21-12, 21-17 से जीत लिए।

अब 2023 के उपविजेता एचएस प्रणय का सामना इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से होगा। दूसरी ओर, कर्नाटक के 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। इस साल की शुरुआत में यूएस ओपन में अपनी पहली सुपर 300 जीत के बाद दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी ने कनाडा के सैम युआन को 21-11, 21-15 से शिकस्त दी। यह मुकाबला केवल 33 मिनट तक चला। आयुष शेट्टी विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता रहे हैं। उनका सामना चौथे वरीय कोडाई नाराओका और शियाओडोंग शेंग के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। एक अन्य मुकाबले में थारुन मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन के खिलाफ 21-13, 17-21, 21-19 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 66 मिनट तक चला।

2023 के राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अब चीन ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन-यी से चुनौती का सामना करेंगे। वहीं, किरण जॉर्ज को जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत इस टूर्नामेंट में जल्द अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। देश को इन शटलर्स से खासा उम्मीदें हैं।

स्नूकर विश्व कपः

पाकिस्तान के असजद इकबाल ने किया बड़ा उलटफेर, भारत के पंकज को 4-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्नूकर विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के असजद इकबाल ने भारत के तीन बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 4-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। स्नूकर विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के असजद इकबाल ने भारत के तीन बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 4-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। शुरू से ही बेहतरीन फॉर्म में दिखे इकबाल ने मैच के दौरान लगातार शानदार ब्रेक लगाए और आडवाणी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इकबाल ने पहले फ्रेम में 81 का शानदार ब्रेक लगाकर बढ़त बनाई और दूसरे फ्रेम में 45 का ब्रेक जोड़कर स्कोर 2-0 कर दिया। आडवाणी, जिन्होंने प्री-क्वार्टरफाइनल में ब्रिजेश दामानी को मात दी थी, इस मुकाबले में अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। तीसरे फ्रेम में इकबाल ने 68 और 49 के ब्रेक के साथ बढ़त को और मजबूत किया और चौथे फ्रेम में भी बढ़त बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली।

आईसीसी रैंकिंग : रोहित शर्मा से छिना नंबर 1 का ताज, अभिषेक शर्मा की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा 19 नवंबर बुधवार के दिन इस हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी गई हैं। तीन हफ्ते तक नंबर 1 वनडे बल्लेबाज बने रहने के बाद हिटमैन रोहित शर्मा से यह ताज छिन गया है। न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल को लगातार शानदार प्रदर्शन का फल मिला है। लेकिन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा की लंबे समय से बादशाहत बरकरार है और वह नंबर 1 की कुर्सी पर काबिज हैं। मिचेल के 782 रेटिंग पॉइंट्स हैं तो रोहित के 781 अंक हैं। साथ ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में फ्लाप होने वाले यशस्वी जायसवाल को नुकसान उठाना पड़ा है। बाएं हाथ के भारतीय सलामी बल्लेबाज को टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान का नुकसान हुआ है। यशस्वी अब टॉप 5 से बाहर होकर सातवें स्थान पर आ गए हैं। इस लिस्ट में जो रूट टॉप पर काबिज हैं।

भारत के 2 गेंदबाजों के सिर नंबर 1 का ताज बरकरार

गेंदबाजों की बात करें तो टी20 में भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की बादशाहत इस हफ्ते भी बरकरार रही है। साथ ही स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट के नंबर 1 गेंदबाज बने हुए हैं। जबकि वनडे में अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर 1 गेंदबाज हैं।

एशियन कप क्वालिफायरः

भारतीय फुटबॉल टीम की तीसरी हार, 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश ने भी दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम का एशियाई कप 2027 क्वालिफायर्स में लगातार खराब प्रदर्शन जारी है। पांच मैचों के बाद भी भारतीय टीम के लिए जीत का खाता नहीं खुल पाया है। टीम को तीसरी हार झेलनी पड़ी है। खास बात यह है कि फीफा रैंकिंग में 136वें स्थान पर काबिज भारतीय फुटबॉल टीम को 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश की टीम ने हरा दिया।

मंगलवार 18 नवंबर को ढाका में हुए इस मैच को बांग्लादेश ने 0-1 से अपने नाम किया। एशियाई कप 2027 में जगह बनाने की दौड़ से भारतीय फुटबॉल टीम पहले ही बाहर हो चुकी है। बांग्लादेश के लिए शेख मुरसलीन ने ग्रुप सी के इस मैच के 11वें मिनट में मुकाबले का इकलौता गोल दागा और यही भारत की हार का कारण बन गया। भारत को 31वें मिनट में गोल करने का सुनहरा मौका मिला था जब बांग्लादेश के गोलकीपर मितुल मार्मा के गोल पोस्ट से दूर थे। इसके बावजूद लालियानजुआला चांगटे गोल करने से चूक गए। बॉक्स पास से दाएं पैर से लगाए गए उनके किक को हमजा चौधरी ने हेडर से रोक दिया। पहले हाफ में टच लाइन के पास दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की हुई लेकिन रेफरी ने स्थिति को काबू में कर लिया। भारत का अभियान 14 अक्टूबर को ही गोवा के मडगांव में सिंगापुर के खिलाफ 1-2 से हार के बाद समाप्त हो गया था।

यह मैच हालांकि किसी भी टीम के टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के हिसाब से महत्वहीन था, क्योंकि भारत के साथ बांग्लादेश की टीम भी 2027 के महाद्वीपीय टूर्नामेंट की दौड़ से बाहर हो गई है। भारत पांच मैचों में तीन हार और दो ड्रॉ से दो अंक लेकर चार टीमों की ग्रुप तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। बांग्लादेश की यह पांच मैचों में पहली जीत है और टीम पांच अंक के साथ ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनों देशों के बीच पहले चरण का मैच 25 मार्च को शिलांग में गोलरहित ड्रॉ पर छूटा था।

नेहरू की ऑनलाइन लाइब्रेरी लॉन्च:

-35,000 दस्तावेज़ और 3000 इलस्ट्रेशन के साथ भारत की वैचारिक विरासत डिजिटल मंच पर

नई दिल्ली । भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के लिए जितना महत्वपूर्ण संविधान है, उतने ही महत्वपूर्ण हैं वे विचार, भाषण, पत्र और निर्णय, जिन्होंने आज़ाद भारत की नींव को आकार दिया। इसी नींव के प्रमुख स्तंभ थे—पंडित जवाहरलाल नेहरू। आज, जब देश डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है, नेहरू के विचारों और उनके कार्यों को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध कराना न केवल ऐतिहासिक कदम है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का मुक्त भंडार भी है। इसी दिशा में नेहरू के कार्यों की ऑनलाइन लाइब्रेरी आज से जनता के लिए लाइव हो गई है। इसका पता है—nehruarchive.in—जहां पहली बार नेहरू के चुने हुए कार्यों का 100 वॉल्यूम का सेट एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया है। यह प्रयास भारत की वैचारिक विरासत को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

35,000 डॉक्यूमेंट्स और 3000 इलस्ट्रेशन: एक विशाल ज्ञानकोष-

इस डिजिटल लाइब्रेरी में लगभग 35,000 दस्तावेज़ और करीब 3000 इलस्ट्रेशन शामिल किए गए हैं, जिन्हें पूर्णतः डिजिटाइज कर मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध कराया गया है। यह संग्रह इतना व्यापक है कि यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि एक युग का जीवंत दस्तावेज़ बन जाता है। इनमें शामिल हैं— नेहरू के भाषण, उनके निजी व राजनीतिक पत्र, इंटरव्यू, फाइलों पर लिखे प्रशासनिक नोट, डायरी के पन्ने और यहाँ तक कि उनके हाथ से बने डूडल भी इतना समृद्ध और विस्तृत संग्रह किसी नेता के बारे में आम तौर पर देखने को नहीं मिलता। यह नेहरू की सोच, संवेदनाओं और निर्णय प्रक्रिया को करीब से समझने का मौका देता है।

1958 के बाद के भाषण मूल हिंदी और अंग्रेज़ी अनुवाद सहित-

डिजिटल सेट का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि वॉल्यूम 44 (सितंबर 1958) से आगे के भाषण मूल हिंदी स्वरूप में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही उनकी इंग्लिश ट्रांसलेशन भी जोड़ा गया है, ताकि शोधकर्ता, विद्यार्थी और आम नागरिक, सभी इसे अपनी सुविधा के अनुसार पढ़ सकें। नेहरू के हिंदी भाषणों में उनकी जमीनी समझ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रगतिशील सोच का ऐसा मिश्रण है जो आज भी उतना ही प्रासंगिक महसूस होता है।

राहुल गांधी की प्रतिक्रिया: "यह इतिहास नहीं, भारत की बदलती सोच का रिकॉर्ड है"-

इस डिजिटल प्रोजेक्ट के पूरा होने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इसे बड़ा वैचारिक कदम बताया। राहुल ने कहा कि— "नेहरू की लिखी बातें इतिहास मात्र नहीं हैं, यह भारत की बदलती सोच का रिकॉर्ड हैं। जो कोई भी देश की लोकतांत्रिक यात्रा को समझना चाहता है, उसके लिए उनके शब्द एक शक्तिशाली दिशासूचक हैं।" राहुल की यह टिप्पणी न केवल नेहरू की वैचारिक विरासत की ओर संकेत करती है, बल्कि यह भी बताती है कि आज जब दुनिया तेज़ी से बदल रही है, ऐसे में इतिहास के बड़े विचारकों के लेखन को उपलब्ध कराना क्यों आवश्यक है।

डिजिटल लाइब्रेरी क्यों महत्वपूर्ण है?-

यह प्रश्न सिर्फ ऐतिहासिक नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य दोनों से जुड़ा है।

लोकतंत्र की जड़ों को समझने के लिए: आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन इसकी शुरुआत आसान नहीं थी। नेहरू के पत्र और भाषण बताते हैं कि लोकतंत्र को कैसे स्थापित किया गया, संस्थाओं को कैसे मजबूत किया गया और विविधताओं को कैसे एकता में बदला गया।

वैज्ञानिक सोच और आधुनिकता की दृष्टि: नेहरू विज्ञान, शिक्षा और तकनीक को भारतीय विकास का केंद्र मानते थे। उनकी नीतियां आज भी देश की आधुनिक संरचनाओं में दिखाई देती हैं।

नीतियों के पीछे की सोच को पहचानने के लिए: प्रशासनिक नोट्स, फाइलों पर टिप्पणी, और उनके निजी पत्र यह बताते हैं कि बड़े फैसले किस तरह लिए जाते थे, किन दुविधाओं का सामना किया जाता था और नीति निर्माण की प्रक्रिया कैसी होती थी।

SIR पर सुप्रीम कोर्ट की अहम सुनवाई आज:

-केरल, तमिलनाडु और बंगाल ने प्रक्रिया रोकने की मांग की

नई दिल्ली । स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर चल रही बहस आज सुप्रीम कोर्ट के सामने एक बार फिर रखी जाएगी। केरल सरकार की ओर से दाख़िल की गई याचिका पर शीर्ष अदालत में आज महत्वपूर्ण सुनवाई होनी है। यह मामला इसलिए अहम है क्योंकि दिसंबर के दूसरे सप्ताह में केरल में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं और इसी दौरान SIR की प्रक्रिया शुरू होने से राज्य चुनाव व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

केरल की दलील: चुनावी प्रक्रिया को नुकसान पहुंच सकता है-

केरल सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों के बीच SIR प्रक्रिया शुरू करना प्रशासनिक और मानवीय संसाधनों पर भारी पड़ेगा। राज्य का कहना है कि कर्मचारियों की संख्या पहले से ही सीमित है, ऐसे में एक साथ दो संवैधानिक प्रक्रियाओं को चलाना मतदाता सूची की गुणवत्ता पर असर डाल सकता है।

केरल का तर्क है—

SIR में जल्दबाज़ी से वोटर वेरिफिकेशन की गुणवत्ता कमजोर होगी। इससे आम नागरिकों के मताधिकार के लोकतांत्रिक अधिकार पर प्रभाव पड़ सकता है। लोकल बॉडी इलेक्शन 21 दिसंबर तक पूरे होने हैं, इसलिए इस समय SIR की जरूरत नहीं। विधानसभा चुनाव तो मई 2026 में होने हैं, इसलिए SIR को कुछ समय बाद भी पूरा किया जा सकता है। राज्य सरकार ने कोर्ट से आग्रह किया है कि चुनावी माहौल में प्रशासनिक बोझ न बढ़ाया जाए, क्योंकि इससे मतदाता सूची तैयार करने में कई तरह की त्रुटियां आने की आशंका है।

अन्य राज्य भी विरोध में-

केरल अकेला राज्य नहीं है जिसने SIR को चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार ने भी SIR को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पश्चिम बंगाल सरकार भी चुनावी कैलेंडर और प्रशासनिक कठिनाइयों को देखते हुए इस प्रक्रिया के खिलाफ कोर्ट पहुंची है। इसके अलावा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) ने भी SIR के खिलाफ याचिका लगाई है। रिपोर्टों के मुताबिक, अब तक कुल 10 याचिकाएं SIR प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हो चुकी हैं। इससे स्पष्ट है कि राज्यों और राजनीतिक संगठनों के बीच SIR को लेकर व्यापक असहमति पनप रही है।

केंद्र और चुनाव आयोग का पक्ष-

देशभर में SIR का दूसरा चरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार— लगभग 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 99% वोटर्स को SIR फेज-II के एन्यूमरेशन फॉर्म मिल चुके हैं। 50.40 करोड़ से अधिक फॉर्म नागरिकों तक पहुंच चुके हैं।

CJI गवई बोले—बौद्ध धर्म मानता हूं, लेकिन असल में सेक्युलर हूं

-आज आखिरी वर्किंग डे, 23 नवंबर को रिटायरमेंट

नई दिल्ली । देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) बी.आर. गवई ने गुरुवार को अपने विदाई समारोह में एक बेहद महत्वपूर्ण और भावुक बयान दिया। उन्होंने कहा कि भले ही वे बौद्ध धर्म को मानते हैं, लेकिन बतौर इंसान वे पूरी तरह से सेक्युलर यानी धर्मनिरपेक्ष हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा— "मैं बौद्ध धर्म को मानने वाला हूं, लेकिन वास्तव में एक सेक्युलर व्यक्ति हूं। हिंदू, मुस्लिम, सिख—सब धर्मों में मेरा समान विश्वास है।" यह बात उन्होंने सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (SCAORA) द्वारा आयोजित फेयरवेल फंक्शन में कही। उनके संबोधन में गहराई और पारिवारिक संस्कारों की झलक साफ दिखाई दी। उन्होंने बताया कि धर्मनिरपेक्ष सोच उन्हें विरासत में मिली है— "मैंने सेक्युलरिज़्म अपने पिता से सीखा। मेरे पिता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अनुयायी थे और पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष विचारों के व्यक्ति थे।" CJI गवई का यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि देश में कई मुद्दों पर धर्म और न्यायपालिका की भूमिका को लेकर अक्सर बहस होती है। ऐसे समय में सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख का यह संदेश यह बताता है कि संविधानिक मूल्यों और व्यक्तिगत आस्था को कैसे परिपक्वता से अलग रखा जा सकता है।

आज सुप्रीम कोर्ट में आखिरी वर्किंग डे-

शुक्रवार को बी.आर. गवई सुप्रीम कोर्ट में अपना आखिरी कार्य दिवस निभा रहे हैं। वे 23 नवंबर को औपचारिक रूप से रिटायर होंगे। न्यायपालिका में लगभग पाँच दशकों की सेवा और कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा बनने के बाद उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। गवई अपने शांत स्वभाव, संतुलित दृष्टिकोण और संविधानिक मूल्यों के सम्मान के लिए जाने जाते रहे हैं। उन्होंने कई मामलों में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और पारदर्शिता पर जोर दिया। न्यायिक सुधार, अदालतों में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने और मामलों के समयबद्ध निपटारे पर उनका खास ध्यान रहा।

जस्टिस सूर्यकांत होंगे देश के अगले CJI-

गवई के रिटायरमेंट के बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत अगले मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे। वे 24 नवंबर को देश के 53वें CJI के रूप में शपथ लेंगे। उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा और वे 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। जस्टिस सूर्यकांत को व्यावहारिक, सख्त लेकिन संवेदनशील दृष्टिकोण वाले जज के रूप में जाना जाता है। उनके कार्यकाल से न्यायपालिका में गति और तकनीकी बदलावों की उम्मीद भी की जा रही है।

क्यों महत्वपूर्ण है CJI गवई का संदेश?-

वर्तमान परिस्थितियों में, जब सामाजिक और राजनीतिक बहसें अक्सर धार्मिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ जाती हैं, तब CJI गवई का यह संदेश संवैधानिक प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। भारत का संविधान हर नागरिक से धर्मनिरपेक्ष रहने की अपेक्षा करता है और न्यायपालिका इसका सबसे बड़ा संरक्षक है।

मोदी साउथ अफ्रीका के लिए रवाना:

-G20 समिट में भारत की बड़ी भूमिका, ट्रम्प ने किया बायकॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह तीन दिन की दक्षिण अफ्रीका यात्रा पर रवाना हो गए। वे जोहान्सबर्ग में आयोजित हो रहे G20 देशों के 20वें शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

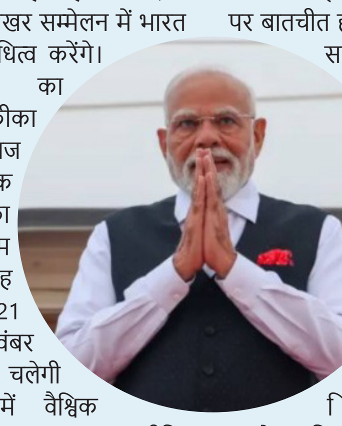

प्रधानमंत्री का साउथ अफ्रीका में आज शाम तक पहुंचने का कार्यक्रम है। यह समिट 21 से 23 नवंबर तक चलेगी और इसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति, जलवायु सहयोग, विकासशील देशों की प्राथमिकताओं और दक्षिणी गोलार्ध की चुनौतियों जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी समिट में तीन मुख्य सत्रों को संबोधित करेंगे। इन भाषणों में वे विकासशील देशों की आवाज़ को प्रमुखता देने, ग्लोबल साउथ के हितों की सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल के विस्तार, हरित ऊर्जा और भू-राजनीतिक तनावों को कम करने जैसे विषयों पर अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों के साथ द्विपक्षीय मुलाकातें भी करेंगे। इन बैठकों में व्यापार, रक्षा सहयोग, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और अफ्रीकी देशों के साथ साझेदारी मजबूत करने पर बातचीत होने की उम्मीद है।

समिट के दौरान PM मोदी इंडिया–ब्राज़ील–साउथ अफ्रीका (IBSA) देशों की त्रिपक्षीय बैठक में भी हिस्सा लेंगे। IBSA विकासशील लोकतांत्रिक देशों का एक महत्वपूर्ण मंच माना जाता है, जहां दक्षिण–दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा होती है। यह प्रधानमंत्री मोदी की दक्षिण अफ्रीका की चौथी आधिकारिक यात्रा है। इससे पहले वे 2016 में द्विपक्षीय दौरे पर गए थे, जबकि 2018 और 2023 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग पहुंचे थे। इस बार की यात्रा इसलिए भी अहम है क्योंकि G20 की बागडोर पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप के एक देश के हाथ में है, और दक्षिण अफ्रीका इसे एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में पेश कर रहा है।

AQI 506 पर दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर; स्कूलों में स्पोर्ट्स इवेंट्स बंद

-MP–उत्तराखंड में पारा तेजी से लुढ़का

नई दिल्ली। दिल्ली–NCR में वायु प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 506 दर्ज किया गया, जो "सीवियर", यानी बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यू एयर (IQAir) की लाइव रैंकिंग के अनुसार दिल्ली दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर बन गया है। यह स्थिति न सिर्फ आम लोगों के लिए, बल्कि बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और सांस की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए अत्यंत चिंताजनक है। सरकार ने हालात की गंभीरता को देखते हुए नवंबर और दिसंबर में सभी स्कूलों में स्पोर्ट्स इवेंट्स पर तत्काल रोक लगा दी है। यह निर्णय सीधे सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने 18 अक्टूबर को कहा था कि जब तक हवा की गुणवत्ता सामान्य नहीं होती, दिल्ली के स्कूलों में खेल-कूद जैसे बाहरी आयोजनों को रोक देना चाहिए। स्कूलों के मैदानों में होने वाली धूल, बच्चों में बढ़ता प्रदूषण का असर और खतरनाक AQI को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि बच्चों की सेहत पर कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने की वजहों में पराली जलना, वाहनों का धुआं, कंस्ट्रक्शन गतिविधियाँ, ठंडी हवाएँ, और कम हवा की गति, शामिल हैं। इन कारणों से हवा का मिश्रण नीचे की तरफ रुक जाता है और प्रदूषण लगातार जमा होता जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि इस स्तर का AQI आंखों में जलन, सिर दर्द, सांस लेने में तकलीफ़, दमा, एलर्जी और फेफड़ों पर गंभीर असर डाल सकता है। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि लोग संभव हो तो बाहर निकलने से बचें, मास्क का उपयोग करें और घरों में एयर प्यूरीफिकेशन के उपाय बढ़ाएं।

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड, 12 शहर 10 डिग्री से नीचे-

वहीं दूसरी ओर मौसम ने मध्य प्रदेश में करवट ले ली है। बीते 15 दिनों से प्रदेश में लगातार ठंड बढ़ती जा रही है। पिछले 24 घंटों में भोपाल, इंदौर, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर सहित 12 शहरों का तापमान 10°C से नीचे दर्ज किया गया। राजगढ़ सबसे ठंडा शहर रहा, जहाँ न्यूनतम तापमान 7.5°C दर्ज हुआ। जबलपुर में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम रही। मौसम विभाग ने इंदौर, भोपाल, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर में शीतलहर (Cold Wave) का अलर्ट जारी किया है। राज्य में हवाएँ उत्तर दिशा से चल रही हैं जिसकी वजह से पारा तेजी से गिर रहा है।

उत्तराखंड में सर्दी चरम पर, बद्रीनाथ -6°C-

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में सर्दी और भी तेज हो चुकी है। बद्रीनाथ में तापमान माइनस 6°C से भी नीचे पहुँच गया है। मैदानी इलाकों में सुबह घना कोहरा, जबकि ऊँचे इलाकों में कड़ी ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक ठंड और कोहरे का असर जारी रहेगा।

ट्रम्प का 28 पॉइंट शांति प्रस्ताव:

-यूक्रेन से जमीन छोड़ने और सेना घटाने की मांग

कीव/ मास्को (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए एक नया 28-सूत्रीय शांति फ्रेमवर्क तैयार किया है। यह प्रस्ताव अमेरिकी सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल की यूक्रेन यात्रा के दौरान सामने आया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने की बात तो करता है, लेकिन इसके साथ कई कड़े शर्तें भी जोड़ता है—जिनमें सबसे अहम है यूक्रेन द्वारा कुछ विवादित क्षेत्रों को छोड़ना, सैन्य ताकत में कटौती करना और नाटो की ओर से यूक्रेन में सैनिक तैनाती पर रोक लगाना। हालांकि अमेरिका की ओर से इस योजना की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस तरह की किसी भी शांति योजना की जानकारी होने से इनकार किया है। इसके बावजूद कई बड़े अमेरिकी और ब्रिटिश मीडिया संगठनों—जैसे एक्सियोस और फाइनेंशियल टाइम्स—ने सूत्रों के हवाले से इसकी पुष्टि की है कि ऐसा फ्रेमवर्क मौजूद है और उसे लेकर बातचीत जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस प्रस्ताव पर "शुरुआती सहमति" जताई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि वे किन-किन शर्तों पर राज़ी हो सकते हैं। रूस-यूक्रेन जंग तीन साल से ज़्यादा समय से चल रही है और दोनों देशों को भारी सैन्य तथा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में यह प्रस्ताव एक बड़े मोड़ के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसके भीतर छिपी शर्तें यूक्रेन की संप्रभुता और भविष्य की सुरक्षा के लिहाज़ से बेहद संवेदनशील हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यूक्रेन को जमीन छोड़ने या सेना घटाने पर मजबूर किया गया।

ब्राज़ील में COP30 क्लाइमेट समिट के हॉल में आग:

-13 लोग घायल, भारत का प्रतिनिधिमंडल सुरक्षित

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राज़ील के बेलेम शहर में आयोजित हो रहे संयुक्त राष्ट्र के COP30 क्लाइमेट समिट में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। समिट के मुख्य आयोजन स्थल (मेन वेन्यू) स्थित एक कन्वेंशन हॉल के अंदर अचानक आग भड़क उठी, जिसमें कुल 13 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब हॉल में दुनिया के 190 से ज्यादा देशों के 50,000 से अधिक प्रतिनिधि, पत्रकार और पर्यावरण कार्यकर्ता मौजूद थे। घटना के दौरान भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वहीं मौजूद थे। हालांकि, स्थिति गंभीर होने के बावजूद वे और भारतीय टीम के सभी सदस्य सुरक्षित रूप से बाहर निकल आए। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के तुरंत बाद सुरक्षा प्रक्रिया सक्रिय हो गई और हॉल को तेजी से खाली कराया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आग स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे (भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे) लगी। यह आग कन्वेंशन हॉल के अंदर एक पवेलियन में शुरू हुई, जहाँ कई देशों के पवेलियन एक-दूसरे के करीब बनाए गए थे। उसी दौरान धुआं तेजी से फैलने से अफरातफरी मच गई और कई लोग हल्की चोटों और सांस लेने में दिक्कत की वजह से घायल हो गए। स्थानीय दमकल विभाग ने शुरुआती जांच में आशंका जताई कि आग किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संभवतः माइक्रोवेव, से शुरू हुई हो सकती है। हालांकि अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया कि अंतिम कारण पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है।

कोलकाता में 5.2 तीव्रता का भूकंप:

बांग्लादेश में था केंद्र, कई जिलों में झटके महसूस

नई दिल्ली । शुक्रवार सुबह कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में अचानक धरती हिल उठी। सुबह 10:10 बजे महसूस किए गए इन झटकों ने कुछ देर के लिए लोगों में दहशत फैला दी। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, झटके करीब 15-20 सेकेंड तक लगातार महसूस हुए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) द्वारा जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 दर्ज की गई। अच्छी बात यह रही कि खबर लिखे जाने तक किसी तरह की जनहानि या भारी नुकसान की सूचना नहीं थी।

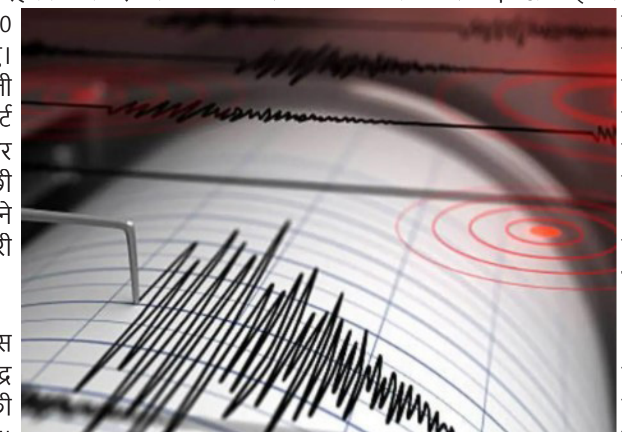

बांग्लादेश में था भूकंप का केंद्र-

सीस्मोलॉजिस्टों के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र बांग्लादेश में था। केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित बताया जा रहा है। चूंकि भूकंप की तीव्रता मध्यम श्रेणी की थी और इसका केंद्र भारत-बांग्लादेश सीमा के करीब था, इसलिए इसका सीधा प्रभाव पश्चिम बंगाल के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में महसूस किया गया। बांग्लादेश के कई जिलों—विशेषकर रंगपुर, बोगुरा और ढाका के उत्तरी भाग—में भी झटके दर्ज किए गए। वहां भी लोग घरों से बाहर निकल आए, हालांकि किसी बड़े नुकसान की जानकारी अब तक नहीं है।

कोलकाता में घबराकर बाहर निकले लोग-

कोलकाता के कई इलाकों—दक्षिणी एवेन्यू, बेहाला, साल्ट लेक, राजारहाट और पार्क स्ट्रीट—में लोगों ने स्पष्ट रूप से झटके महसूस किए। कुछ लोग सोशल मीडिया पर भी अपनी प्रतिक्रिया साझा करते दिखे। कई ऑफिसों में काम कर रहे कर्मचारी तुरंत बाहर खुले स्थानों की ओर निकल गए। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों ने अधिक तीव्र कंपन का अनुभव किया। स्थानीय निवासी सौम्या मुखर्जी ने बताया, "मैं घर में बैठा था, अचानक कुर्सी हिलने लगी और पंखा झूलने जैसा लगा। तभी समझ आया कि भूकंप आया है।" एक अन्य निवासी मीरा सेन ने कहा, "20 सेकंड तक झटके महसूस हुए, हम तुरंत सीढ़ियों से नीचे आ गए।"

उत्तरी बंगाल के कई जिलों में असर-

भूकंप का प्रभाव राज्य के अन्य हिस्सों में भी महसूस हुआ। कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा और नादिया जिलों में भी धरती हिली। कई जगहों पर लोग घरों से बाहर निकलकर खुले मैदान या सड़कों पर जाते देखे गए। कई स्कूलों में बच्चे डरकर कक्षाओं से बाहर निकल आए, हालांकि कुछ ही मिनटों में हालात सामान्य हो गए। मालदा में भूकंप विशेषज्ञों ने बताया कि इलाके की ज़मीन नदीय मिट्टी पर आधारित है, इसलिए वहां कंपन ज्यादा महसूस हो सकते हैं। इसी कारण हल्के झटके भी स्थानीय लोगों को तेज प्रतीत होते हैं।

क्यों महसूस होते हैं झटके?-

पूर्वी भारत, विशेषकर पश्चिम बंगाल, उत्तर-पूर्व और बांग्लादेश, इंडो-बर्मा टेकटोनिक प्लेट के प्रभाव वाले इलाकों में आते हैं। यहां समय-समय पर मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,